RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 195 , शुक्रवार, 28 अगस्त 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

एमजीसीयू में धूमधाम से मना राष्ट्रीय खेल दिवस, 'खेलों इंडिया संवाद' से जुड़े विद्यार्थी 03

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत जीविका सुधा विक्री केंद्र का शुभारंभ 04

राशि खन्ना के बॉलीवुड में 13 साल पूरे, साउथ सिनेमा से लेकर ओटीटी... 07

संक्षिप्त समाचार

- रक्षाबंधन के पूर्व संध्या पर देश की रक्षा करने वाले पूर्व सैनिकों को आदर सहित राखी बांधती स्थानीय महिलाएं

आज भाईयों के कलाईयों पर बंधेगा बहनों का रक्षा सूत्र

नईदिल्ली (एजेंसी)। रक्षा बंधन भाई-बहन के अटूट प्रेम और रिश्ते को समर्पित प्रमुख त्योहार है। इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती है और उसके सुख, स्वास्थ्य व लंबी आयु की कामना करती है। भाई भी बहन की रक्षा का वचन देता है और साथ ही उसे उपहार देता है। 'रक्षाबंधन' का अर्थ है- रक्षा। रक्षा बंधन शुक्रवार, आज 28 अगस्त को मनाया जाएगा। रक्षा बंधन, भाई और बहन के बीच शाश्वत प्रेम को दर्शाता है। इस अवसर पर आज भाईयों की कलाईयों पर बहनों का रक्षासूत्र बांधा जाएगा।

रक्षा बंधन 2026 के अन्य शुभ मुहूर्त

शुभ मुहूर्त	समय
अभिजित मुहूर्त	दोपहर 11.56 बजे दोपहर 12.48 बजे
विजय मुहूर्त	दोपहर 2.31 बजे - शाम 3.22 बजे
गोधूलि मुहूर्त	शाम 6.47 बजे - शाम 7.10 बजे
अमृत काल	शाम 7.44 बजे रात 9.23 बजे

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पत्रादेवी में हुतात्मा स्मृति स्मारक का उद्घाटन किया

पणजी (एजेंसी)। गोवा मुक्ति आंदोलन में अपनी जान कुर्बान करने वाले हर जाने-अनजाने योद्धा को इतिहास में पूरा सम्मान मिलना चाहिए। गोवा की आजादी के लिए अपनी जान कुर्बान करने वाले एक भी शहीद का नाम इतिहास से छूट न जाए, इसके लिए सरकार को पूरी रिसर्च करनी चाहिए और सभी शहीदों के नाम पता करके उन्हें पत्थरों पर उकेरना चाहिए ताकि उनकी याद हमेशा बनी रहे। यह अपील रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की।

एयर चीफ मार्शल बोले- बच्चे ही देश चलाएंगे

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरखपुर शहर से करीब 30 किमी दूर माथाबारी गांव में गुरुवार को एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह पत्नी सरिता के साथ पहुंचे। यहां सरस्वती गुरुकुल में फूल बरसाकर उनका स्वागत किया गया। एयर चीफ मार्शल ने कहा- यही बच्चे एक दिन देश को चलाएंगे। गुरुकुल में बनाई गई लाइब्रेरी का एयर चीफ मार्शल की पत्नी ने शुभारंभ किया। छात्र-छात्राओं ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के नाटक का मंचन किया। पहले पहलगाम में आतंकी हमले फिर भारत का आर्मी एक्शन दिखाया गया।

नेपाल में मंडरा रहा नया संकट?

- तबाही के बीच एक और झील टूटने का खतरा; चीन ने दी चेतावनी, कहा- अगले 72 घंटे अहम

काठमांडो/ बीजिंग (एजेंसी)। नेपाल में भीषण बाढ़ की तबाही के बीच अब एक और बड़ी प्राकृतिक झील के टूटने का खतरा पैदा हो गया है। चीन के जल संसाधन मंत्रालय के अनुसार, नदियों के संगम के पास बनी झील में पानी तेजी से बढ़ रहा है और अगले 72 घंटे बेहद अहम हैं। अगर प्राकृतिक बांध टूटा तो क्या फिर बाढ़ की नई लहर आएगी और नीचे बसे इलाकों पर कितना असर पड़ेगा? नेपाल में भीषण बाढ़ से मची तबाही के बीच एक और बड़े खतरे की चेतावनी सामने आई है। चीन के जल संसाधन मंत्रालय के अनुसार, नेपाल में छोछेन खोला और पुरेपू त्सांगपो नदियों के संगम के पास करीब 20 लाख घन मीटर पानी वाली एक बड़ी झील बन गई है।

नई झील के टूटने का खतरा कितना बड़ा?

चीन के जल संसाधन मंत्रालय ने झील के प्राकृतिक बांध के टूटने की आशंका को गंभीर बताया है। चेतावनी के अनुसार अगले 72 घंटे बेहद महत्वपूर्ण हैं। पानी लगातार बढ़ने से प्राकृतिक बांध पर दबाव बढ़ सकता है। अगर यह बांध टूटता है तो जमा पानी अचानक नीचे की ओर बह सकता है और पहले से बाढ़ की मार झेल रहे इलाकों में स्थिति और खराब हो सकती है।

क्या दूसरी बाढ़ का खतरा और बढ़ सकता है?

स्थिति इसलिए गंभीर है क्योंकि नई झील में अगले तीन दिनों में करीब 30 लाख घन मीटर अतिरिक्त पानी आने का अनुमान है। अगर पानी का दबाव बढ़ा और प्राकृतिक बांध टूट गया, तो अचानक तेज बहाव नीचे के इलाकों में पहुंच सकता है। ऐसे में पहले से प्रभावित बस्तियों और नदी किनारे रहने वाले लोगों के लिए खतरा बढ़ सकता है।

देश के कई हिस्सों में हो रही झमाझम बारिश

- काशी में भारी बारिश के चलते गलियों में जल रहीं चिताएं

वाराणसी/नई दिल्ली/ जयपुर (एजेंसी)। देश के हिस्सों में झमाझम बारिश हो रही है। वहीं नेपाल में अचानक आई बाढ़ से मची तबाही के बाद यूपी में अलर्ट जारी है। वाराणसी में भारी बारिश के बाद गंगा और प्रयागराज में यमुना का जलस्तर बढ़ गया है। काशी में मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट पर शवदाह स्थल पानी में डूब गए हैं। ऐसे में गलियों और छतों पर अंतिम संस्कार किया जा रहा है। राजस्थान में मानसून फिर से एक्टिव हो गया है। आज भी 12 जिलों में तेज बारिश की चेतावनी है। बीते 24 घंटे में जयपुर सहित 10 जिलों में 2 इंच तक पानी बरसा है।

लैंडस्लाइड के चलते निजमुला मार्ग बंद

उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में देर रात से रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है। चमोली में लैंडस्लाइड के चलते निजमुला मार्ग बंद है। वहीं, बद्रीनाथ हाईवे पर जोशीमठ-मरवाड़ी पुल से आगे हाथीपहाड़ के पास करीब 30 मीटर सड़क बह गई। हाईवे बंद होने से बद्रीनाथ धाम और हेमकुंड साहिब की यात्रा प्रभावित हुई है। मध्य प्रदेश में मानसून एक बार फिर सक्रिय है।

- गैर-मराठी ऑटो-कैब ड्राइवरों को बड़ी राहत

महाराष्ट्र सरकार ने भाषा सीखने के लिए दिया 1 साल का वक्त

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में मराठी न बोलने वाले ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों को देवेंद्र फड़नवीस सरकार ने बड़ी राहत दी है। राज्य सरकार ने प्रवासी ड्राइवरों को बेसिक मराठी सीखने के लिए एक साल का वक्त दिया है। इस एक साल में इन ड्राइवरों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने साफ कहा है कि इस एक साल के दौरान मराठी भाषा की अनिवार्य शर्त को लेकर ड्राइवरों पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। इस कदम से मराठी भाषा की अनिवार्य शर्त को एक साल के लिए प्रभावी रूप से स्थगित कर दिया गया है। यह कदम ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों के संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा फड़नवीस से मुलाकात करने और अनुपालन के लिए अधिक समय मांगने के बाद उठाया गया है।

बैठक के बाद सीएम फड़नवीस ने लिया फैसला

सीएम फड़नवीस ने बैठक के दौरान कहा कि ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों के संगठनों के प्रतिनिधियों ने मुंबई में काम करने वाले प्रवासी चालकों के लिए मराठी भाषा में दक्षता को अनिवार्य बनाने के सरकारी कदम का समर्थन किया।

- खेलो इंडिया डायलॉग में पीएम मोदी बोले

ओलंपिक खेलों में भागीदारी बढ़ानी होगी, अभी से खिलाड़ी तैयार करें

- युवाओं को स्क्रीन से ज्यादा प्लेग्राउंड चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने गुरुवार को 1,500 से ज्यादा जगहों पर युवाओं और खिलाड़ियों से वर्चुअल संवाद किया। उन्होंने कहा कि ओलंपिक के 20 से ज्यादा खेलों में भारत की भागीदारी नहीं रही। ओलंपिक में भारत की भागीदारी बढ़ानी होगी। 2036 ओलंपिक के लिए अभी से खिलाड़ी तैयार करें।

मोदी ने कहा- 15 अगस्त को देश के सामने स्पोर्ट्स विजन रखा। यह सिर्फ मेडल जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि विकसित भारत और देश की खेल शक्ति बढ़ाने का अभियान है।

पीएम ने कहा- मैं हमेशा कहता हूं- जो खेले, वो खिले। आज युवाओं को स्क्रीन से ज्यादा स्पोर्ट्स सेंटर और प्लेग्राउंड चाहिए। नेशनल स्पोर्ट्स डे और मेजर ध्यानचंद पर- 29 अगस्त को नेशनल स्पोर्ट्स डे मनाया जाता है। यह महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को याद करने का दिन है। करीब 100 साल पहले भारतीय सेना की हॉकी टीम न्यूजीलैंड गई थी, जिसमें ध्यानचंद भी शामिल थे। भारत-न्यूजीलैंड संबंधों को आज और मजबूत किया जा रहा है। स्क्रीन से ज्यादा खेल जरूरी- युवाओं को स्क्रीन से ज्यादा स्पोर्ट्स सेंटर और प्लेग्राउंड चाहिए। हर युवा की भागीदारी भारत की ताकत है। नई तकनीक से खेलों में बदलाव आ रहा है और साइकोलॉजी व न्यूट्रिशन जैसे क्षेत्रों में नए करियर बन रहे हैं।

नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद दिखी तबाही, अब तक 359 शव बरामद

288 भारतीय समेत 1500 लापता, सरकार बोली- भोटेकोशी नदी में फिर बाढ़ का खतरा

काठमांडू/नईदिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। अचानक आई बाढ़ ने कई इलाकों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं। कहीं घर और सड़कें पानी में डूब गईं, तो कहीं लोग अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित जगहों की ओर भागते नजर आए। राहत और बचाव दल लगातार प्रभावित इलाकों में लोगों को निकालने में जुटे हैं। बाढ़ के बाद तबाही का मंजर बेहद डरावना है। तस्वीरों में कहीं पानी का तेज बहाव दिख रहा है, तो कहीं बाढ़ के बीच फंसे लोगों की बेबसी साफ नजर आ रही है। नेपाल

में बुधवार को आई भीषण बाढ़ के बाद अब तक 359 शव बरामद किए जा चुके हैं। गुरुवार शाम 5 बजे तक चितवन जिले में सबसे ज्यादा 132 शव मिले हैं। करीब 1,500 लोगों की तलाश जारी है। इनमें 288 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। वहीं, 21 भारतीयों को सुरक्षित बचाया गया है, जिनमें से 11 की पहचान हो चुकी है। इसी बीच प्रशासन ने भोटेकोशी नदी में फिर बाढ़ के खतरे का अलर्ट जारी किया है।

पूर्व डीआरडीओ चीफ सतीश रेड्डी समेत 31 तीर्थयात्री तिब्बत में फंसे

पूर्व डीआरडीओ प्रमुख जी. सतीश रेड्डी और उनकी पत्नी समेत 31 तीर्थयात्री तिब्बत में फंसे हुए हैं। ये सभी कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए थे। खराब मौसम के कारण उनकी वापसी प्रभावित हुई है।

सीएम सम्राट बोले- खतरा अभी टला नहीं

नेपाल के रसुवा जिले में बुधवार को आई बाढ़ के बाद बिहार के गंडक बैराज से सुबह से 4 बार पानी छोड़ा जा चुका है। रात 12 बजे तक नेपाल की ओर से करीब डेढ़ लाख क्यूसेक, यानी क्यूबिक फीट प्रति सेकेंड पानी छोड़ा गया। बगहा स्थित गंडक बैराज के 36 गेट खोल दिए गए हैं। रात 12 बजे बैराज से 1 लाख 52 हजार क्यूसेक, सुबह 6 बजे 88 हजार, 7 बजे 92,900 हजार, 10 बजे 104,400, 12 बजे 106,600 क्यूसेक पानी छोड़ा गया।

'राहुल गांधी मुस्लिम महिलाओं को भी जोड़िए..'

- कांग्रेस मुख्यालय में जुटीं बुर्काधारी महिलाएं, किया प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में लड़कियों से 'पितृसत्ता' तोड़ने का आह्वान किया है। आरोप लग रहे हैं कि राहुल गांधी ने यह सब केवल हिंदू महिलाओं के लिए कहा है। इसके पीछे वजह भी है कि उन्होंने अपनी बात रखने के लिए सिर्फ मनुस्मृति का हवाला दिया है। इसी वजह से कुछ मुस्लिम महिलाएं कांग्रेस मुख्यालय पहुंच गईं और कहा कि वो चाहती हैं कि कांग्रेस नेता उन्हें भी ऐसे ही बराबर का सम्मान दें। कल दिल्ली में कांग्रेस हेडक्वार्टर पर बड़ी अजीब स्थिति पैदा हो गई। कुछ बुर्काधारी महिलाओं ने यहां कांग्रेस और राहुल गांधी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और उनसे सवाल किया कि वह महिला सम्मान की बात करते हैं।

राहुल गांधी मुस्लिम महिलाओं की दर्द सुनें

एक और मुस्लिम महिला ने सीधा सवाल किया कि 70 सालों में तो आपने (कांग्रेस) पूछा नहीं, आपने 70 सालों में क्या किया? जब ट्रिपल तलाक से महिलाओं को यूं चुटकियों में छोड़ दिया जाता था, तब राहुल गांधी कहां थे?...आप कपड़ों पे बात करते हो, महिलाओं के बारे में सोचो, राजनीति में उनकी भागीदारी बढ़ेगी 33 प्रतिशत उसके बारे में क्यों नहीं बोल रहे हो? कर्नाटक में कोई महिला मंत्री क्यों नहीं है? एक बार हम महिलाओं का दर्द सुनो।

राहुल गांधी हमें भी बराबरी का सम्मान दें

एक मुस्लिम महिला ने कहा, कांग्रेस मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन करने का सिर्फ एक ही कारण है। हम चाहते हैं कि राहुल गांधी हमें भी बराबरी का सम्मान देने की बात करें। उनसे पूछिए, कर्नाटक में आपकी सरकार है, लेकिन वहां एक भी महिला मंत्री नहीं है।...हम सिर्फ यह कहना चाहते हैं कि उन्हें ट्रिपल तलाक का गलत मतलब नहीं निकालना चाहिए। राहुल गांधी हमारे सम्मान की भी बात करें...जबसे ट्रिपल तलाक कानून आया है, हम अपने अंदर से बहुत मजबूत हैं।

'पितृसत्ता तोड़ो' का किया है आह्वान

दरअसल, 22 अगस्त, 2026 को पुणे में एक कॉलेज मैदान में आयोजित कांग्रेस के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में राहुल गांधी ने मनुस्मृति की खिल्ली उड़ाने की कोशिश की और कथित तौर पर 'पितृसत्ता तोड़ो' के लिए महिलाओं का आह्वान किया।

सिर्फ हिंदुओं को टारगेट करने का आरोप

इसके बाद से राहुल गांधी पर आरोप लग रहे हैं कि उन्हें जब भी मौका मिलता है, हिंदुओं और हिंदू धार्मिक ग्रंथों को निशाना बनाने की कोशिश करते हैं और अन्य धर्मों में जो कुछ भी खामियां हैं तो उसपर बोलने से परहेज करने की कोशिश करते हैं।

न्यूयॉर्क में मोहन भागवत का कार्यक्रम रद्द करने की कोशिश

- हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन का आरोप, कहा- सतर्क रहें; मेयर ममदानी समेत कई संगठन विरोध में

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के 29 अगस्त को न्यूयॉर्क के मेडिसन स्क्वायर गार्डन में होने वाले यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन कार्यक्रम से पहले हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) ने सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। एचएएफ ने कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों से सतर्क रहने, आसपास की गतिविधियों पर नजर रखने और

किसी भी तरह के टकराव से बचने की अपील की है।

ममदानी समेत कई संगठनों ने विरोध किया

भागवत के कार्यक्रम का न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान मामदानी समेत कुछ इंटरफेथ और नागरिक अधिकार संगठनों ने विरोध किया है। उन्होंने कहा था कि वह इस कार्यक्रम का समर्थन नहीं करते। बांटने वाली विचारधारा का विरोध करता हूं। संगठनों में हिंदूज फॉर ह्यूमन राइट्स, इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल और इंटरफेथ सेंटर ऑफ न्यूयॉर्क शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

बेकाबू ऑटो ने 2 महिला होमगार्ड जवानों को मारी टक्कर, सुल्तानपुर मंदिर के पास ड्यूटी पर जाते समय एक्सीडेंट

हाजीपुर। हाजीपुर-जंदाहा मुख्य मार्ग पर हुए एक सड़क हादसे में दो महिला होमगार्ड जवान गंभीर रूप से घायल हो गईं। यह घटना औद्योगिक क्षेत्र थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर मंदिर के पास हुई, जहां एक अनियंत्रित टेंपो ने स्कूटी सवार दोनों जवानों को जोरदार टक्कर मार दी। दोनों महिला जवान अपनी ड्यूटी के लिए हाजीपुर आ रही थीं। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों को गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया। घायल जवानों में अनु कुमारी के सिर में चोट लगी है, जबकि प्रियंका कुमारी का पैर फ्रैक्चर हो गया है। स्थानीय लोगों ने दुर्घटनाग्रस्त टेंपो को पकड़ लिया है, लेकिन उसका चालक मौके से फरार हो गया।

हाजीपुर में बच्चों ने दिया बाल संरक्षण का संदेश:बाल विवाह, बाल श्रम और शोषण के खिलाफ हुई प्रतियोगिता

हाजीपुर। हाजीपुर, वैशाली के सदर प्रखंड स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय, मीनापुर राई में बाल विवाह, बाल श्रम और बाल शोषण की रोकथाम के लिए एक संकल्प सभा और प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान के तत्वावधान और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इसमें बच्चों ने चित्रकला, स्लोगन और निबंध लेखन के माध्यम से बाल अधिकारों और बाल संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य संजय कुमार शर्मा ने की, जबकि इसका संचालन अधिकार मित्र संतोष कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक, स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान के सचिव और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के निदेशक डॉ. सुधीर कुमार शुक्ला ने प्रतियोगिता के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। जिससे उनकी रचनात्मक क्षमता के साथ-साथ सामाजिक विषयों के प्रति समझ और जागरूकता भी बढ़ती है। डॉ. शुक्ला ने बच्चों से बाल विवाह, बाल श्रम और बाल यौन शोषण जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ जागरूक रहने का आह्वान किया। अधिकार मित्र संतोष कुमार ने इस अवसर पर बाल अधिकारों और उनकी सुरक्षा से जुड़े कानूनी पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए बताया कि प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान और बेहतर भविष्य का अधिकार है। उन्होंने सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रभारी प्रधानाचार्य संजय कुमार शर्मा ने बच्चों को प्रतियोगिता के आयोजन के उद्देश्य और महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बच्चों की सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम उनमें रचनात्मकता के साथ सामाजिक जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करते हैं। प्रतियोगिता के दौरान बच्चों ने अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से बाल विवाह, बाल श्रम और बाल शोषण के खिलाफ प्रभावी संदेश दिए। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को जागरूक करने के साथ-साथ विद्यालय और समाज में बाल संरक्षण की भावना को मजबूत करना था।

गंडक-गंगा में जलस्तर वृद्धि की आशंका, वैशाली जिला प्रशासन हाई अलर्ट पर

हाजीपुर। नेपाल में तिब्बत सीमा के पास भोटेकोशी नदी का जलस्तर बढ़ने और बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने के बाद वैशाली जिला प्रशासन ने गंडक और गंगा नदी के संभावित जलस्तर वृद्धि को लेकर हाई अलर्ट जारी किया है। जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह के निर्देश पर तटीय, दियारा और निचले इलाकों में राहत-बचाव की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। प्रशासन ने जिले में 360 निजी नावों के साथ इकरारनामा किया है, जबकि 7 सरकारी नावें भी उपलब्ध हैं। राहत-बचाव कार्यों के लिए 189 खोज एवं बचाव दल, 192 प्रशिक्षित गोताखोर, 127 लाइफ जैकेट और 3 महाजाल तैयार रखे गए हैं। महनार, राघोपुर, हाजीपुर और लालगंज में एसडीआरएफ (राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल) की टीमें तैनात की गई हैं। रात्रिकालीन बचाव कार्य को सुगम बनाने के लिए इन्फ्लेटेबल लाइटिंग सिस्टम भी उपलब्ध कराया गया है। संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने नौका औषधालय, बोट एंबुलेंस और मोबाइल हेल्थ यूनिट को सक्रिय रखा है। पशुओं के उपचार के लिए मोबाइल पशु चिकित्सा दल भी तैनात किए गए हैं। तटबंधों की निगरानी के लिए दंडाधिकारी और कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। इसके अतिरिक्त, अभियंता 24 घंटे तटबंधों की स्थिति पर नजर रख रहे हैं। प्रभावित होने वाले लोगों के लिए 100 राहत शिविर और 104 सामुदायिक रसोई तैयार रखे गए हैं, ताकि उन्हें भोजन और आश्रय प्रदान किया जा सके। प्रशासन ने आम जनता से अफवाहों पर ध्यान न देने, नदी और तटबंधों के पास न जाने तथा आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर चले जाने की अपील की है। किसी भी आपात स्थिति में जिला आपदा नियंत्रण कक्ष के नंबर 06224-260233 और 06224-260234 पर संपर्क किया जा सकता है।

वैशाली में करंट लगने से शख्स की मौत, मकान में बिजली की वायरिंग करने के दौरान हादसा, 3 बच्चों के थे पिता

हाजीपुर। वैशाली में वायरिंग का काम करते समय करंट लगने से शख्स की मौत हो गई। हादसे के बाद उन्हें तत्काल सदर अस्पताल हाजीपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।घटना दिघवारा थाना क्षेत्र के इस्माइला गांव की है। मृतक की पहचान नया गांव थाना क्षेत्र के नया गांव निवासी स्वर्गीय रामदेव गोस्वामी के बेटे उमेश कुमार गोस्वामी(41) के रूप में हुई है। यह हादसा उस वक्त हुआ जब उमेश कुमार इस्माइला गांव में एक मकान में बिजली की वायरिंग कर रहे थे। काम के दौरान ही उन्हें अचानक बिजली का तेज झटका लगा। उनके परिवार में दो बेटे और एक बेटी हैं। वह अपने पांच भाइयों और एक बहन में तीसरे स्थान पर थे। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में शोक छा गया। मृतक के भाई रमेश कुमार ने बताया कि उमेश बिजली का काम कर रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई।

मजदूर की हत्या का आरोपी गिरफ्तार, पैसे को लेकर विवाद के बाद किया था मर्डर, अन्य आरोपी अब भी फरार

पटना। पटना के बिहटा थाना क्षेत्र के बनवारीपुर गांव में 51 वर्षीय रामबाबू साव की हत्या के मामले में पुलिस ने एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नौबतपुर थाना क्षेत्र के पलटू छतनी गांव निवासी विक्की चौधरी के तौर पर हुई है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। इस मामले में विक्की चौधरी के पिता नंदू चौधरी भी नामजद आरोपी हैं। घटना के बाद से वह फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। पुलिस की शुरुआती जांच में हत्या के पीछे आपसी रंजिश और मजदूरी के पैसे को लेकर चल रहा विवाद सामने आया है। बताया गया कि रामबाबू साव पिछले कई महीनों से आरोपी के घर पर मजदूरी का काम करते थे। मजदूरी के भुगतान को लेकर उनके और आरोपियों के बीच आए दिन विवाद होता था। इसी विवाद को मृतक की पत्नी उषा देवी ने हत्या की वजह बताते हुए विक्की चौधरी और उसके पिता नंदू चौधरी के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। परिवार ने रामबाबू की गला दबाकर हत्या किए जाने का आरोप लगाया था। बिहटा पुलिस को 21 अगस्त की सुबह बनवारीपुर गांव में एक व्यक्ति का शव पड़े होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम के साथ FSL की टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए। जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया था। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट अभी नहीं आई है। रिपोर्ट आने के बाद मौत की वास्तविक वजह और हत्या के तरीके को लेकर स्थिति और स्पष्ट होने की उम्मीद है। बिहटा थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया, 'मामले में नामजद आरोपी विक्की चौधरी को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ कर रहे हैं। हत्या के पीछे के विवाद और वारदात में अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपी नंदू चौधरी समेत अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई जारी है।

भारी वाहनों से नगर निकाय नहीं कर पाएंगे वसूली

मंत्री नीतीश मिश्रा ने दिए रोकने के निर्देश, कहा- नियमावली लागू नहीं, गलत वसूली कर रहे

एजेंसी, पटना

नगर निकाय भारी वाहनों से रोड टैक्स, प्रवेश सेवा शुल्क या चुंगी की वसूली नहीं करेंगे। नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा, इसकी वसूली निर्धारित नियमों के तहत ही की जा सकती है। फिलहाल रोड टैक्स की वसूली के लिए विभाग की ओर से कोई नियमावली या विनियमावली प्रभावी नहीं है। ऐसे में नियमावली बनने तक किसी भी नाम या माध्यम से इसकी वसूली पूरी तरह प्रतिबंधित है।

विभाग पहले भी जारी कर चुका है निर्देश: मंत्री ने बताया कि नगर निकायों को रोड टैक्स और प्रवेश शुल्क की वसूली को लेकर पहले भी कई बार स्पष्ट निर्देश दिए जा चुके हैं। इनमें नियमावली बनने तक किसी भी तरह का मार्ग कर, प्रवेश सेवा शुल्क या चुंगी नहीं लेने को कहा गया है। इसके बावजूद कुछ नगर निकायों द्वारा भारी वाहनों से अलग-अलग नामों पर राशि वसूले जाने की जानकारी विभाग को मिली है।

सभी नगर निकायों को तत्काल रोक लगाने का निर्देश: मामले को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने राज्य के सभी नगर आयुक्तों और नगर परिषद व नगर पंचायतों के कार्यपालक पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि नियमावली के प्रभावी होने तक मार्ग कर की वसूली पूरी तरह बंद रखें। अधिकारियों को विभागीय आदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है।

उल्लंघन पर अधिकारियों की तय होगी जवाबदेही: नीतीश मिश्रा ने स्पष्ट किया कि यदि किसी नगर निकाय ने विभागीय निर्देशों की अनदेखी करते हुए किसी भी नाम या स्वरूप में मार्ग कर की वसूली की, तो संबंधित नगर आयुक्त या नगर कार्यपालक पदाधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। उनके खिलाफ नियमानुसार अनुशासनिक कार्रवाई भी की जाएगी।

शिकायतों की होगी निगरानी: मंत्री ने सभी नगर निकायों को निर्देश दिया कि वे

विभागीय आदेशों का अक्षरशः पालन करें और नियमावली बनने तक वाहनों से किसी प्रकार की अनधिकृत राशि न वसूलें। विभाग इस संबंध में मिलने वाली शिकायतों और मामलों की लगातार निगरानी करेगा। निर्देशों के उल्लंघन को किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। बिहार में नए नगर निकाय बनेंगे। नगर निकायों की सीमा और स्वरूप में बदलाव की प्रक्रिया जल्द शुरू होने वाली है। राज्य सरकार ने सभी जिलों से नगर निकायों के विलय, सीमा विस्तार, दर्जा बढ़ाने और नए निकायों के गठन से जुड़े प्रस्ताव मांगे हैं। इन प्रस्तावों की पहले जिला स्तर पर समीक्षा की जाएगी।

डीएम बुलाएंगे जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की बैठक: नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार ने सभी जिलाधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किया है। डीएम अपने जिले के प्रभारी मंत्री से जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की बैठक बुलाने का अनुरोध करेंगे। बैठक में नगर निकायों से संबंधित सभी प्रस्तावों पर चर्चा और समीक्षा होगी।

दो या अधिक निकायों के विलय का भी विकल्प: सरकार नगर निकायों के पुनर्गठन के लिए कई विकल्पों पर विचार कर रही है। इनमें दो या अधिक नगर निकायों को मिलाकर नया निकाय बनाना और नगर निकाय से सटे ग्रामीण क्षेत्रों को उसकी सीमा में शामिल करना प्रमुख है।

छोटे निकायों का बढ़ सकता है दर्जा: जरूरत के अनुसार छोटे नगर निकायों को बड़े निकाय में शामिल करने या उनका दर्जा बढ़ाने पर भी विचार किया जाएगा। इसके अलावा तेजी से शहरीकरण वाले ग्रामीण इलाकों को नगर निकाय का दर्जा देने की संभावना है। इससे राज्य में नए नगर निकायों के गठन का रास्ता भी खुल सकता है।

तेजी से शहर के रूप में तब्दील हो रहे गांवों पर विशेष नजर: विभाग ऐसे ग्रामीण क्षेत्रों की पहचान करेगा, जहां आबादी के साथ-साथ शहरी गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे इलाकों को नजदीकी नगर निकाय में शामिल करने या उनके लिए अलग नगर निकाय बनाने का प्रस्ताव तैयार किया जा सकता है। इससे मौजूदा शहरों की प्रशासनिक सीमा का विस्तार भी हो सकता है।

15 सितंबर तक विभाग को भेजने होंगे प्रस्ताव: जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की अनुशंसा के बाद जिलाधिकारी प्रस्तावों को निर्धारित प्रपत्र में नगर विकास एवं आवास विभाग को भेजेंगे। सरकार ने इसके लिए 15 सितंबर 2026 तक की समय-सीमा तय की है।

प्रस्तावों के आधार पर शुरू होगी पुनर्गठन की प्रक्रिया: जिलों से प्राप्त प्रस्तावों की समीक्षा के बाद सरकार नगर निकायों के पुनर्गठन की आगे की प्रक्रिया शुरू करेगी। इस कवायद का उद्देश्य तेजी से शहरीकरण वाले क्षेत्रों को बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था से जोड़ना और भविष्य की शहरी जरूरतों के अनुरूप नगर निकायों का विस्तार करना है।

बिहार में 775 अल्ट्रासाउंड सेंटर्स का रजिस्ट्रेशन नहीं

एजेंसी, पटना

बिहार में बड़ी संख्या में अल्ट्रासाउंड केंद्र बिना रजिस्ट्रेशन के संचालित हो रहे हैं। राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार से सूचना के अधिकार (RTI) के तहत मिली जानकारी में इसका खुलासा हुआ है। RTI से मिली जानकारी के मुताबिक, राज्य के 10 जिलों में कुल 1963 अल्ट्रासाउंड केंद्रों में से 775 बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे हैं। इन 10 जिलों में केवल 1188 अल्ट्रासाउंड केंद्रों का ही PC-PNDC एक्ट के तहत रजिस्ट्रेशन है। सबसे गंभीर स्थिति राजधानी पटना की है। जिले में कुल 556 अल्ट्रासाउंड केंद्र हैं, जिनमें 180 बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे हैं। यानी पटना में करीब 32% केंद्रों का रजिस्ट्रेशन नहीं है। बिहार के 10 जिलों की यह स्थिति अल्ट्रासाउंड केंद्र खोलने के लिए अनिवार्य रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

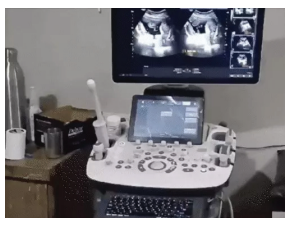

के उल्लंघन को दर्शाती है। RTI के आंकड़ों के मुताबिक, पटना में 376 अल्ट्रासाउंड केंद्र निबंधित हैं, जबकि 180 केंद्र बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे हैं। यानी करीब हर तीन केंद्रों में से एक अल्ट्रासाउंड केंद्र अवैध रूप से चल रहा है। बिना निबंधन वाले केंद्रों की संख्या केवल शहरी इलाकों तक सीमित नहीं है। RTI के आंकड़ों से यह भी सामने आया है कि बिना निबंधन वाले अधिकांश अल्ट्रासाउंड केंद्र प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) के आसपास संचालित हो रहे हैं।

बिक्रम फायरिंग मामले में खुलासा, बहन की मौत का बदला लेने देवर पर चलाई गोली

एजेंसी, पटना

पटना में बिक्रम क्षेत्र के उदरचक गांव में दलान पर सो रहे अमित कुमार पर हुई फायरिंग के मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। पालीगंज डीएसपी-2 पंकज शर्मा ने बताया कि वारदात के पीछे पारिवारिक विवाद और बदले की भावना सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, धनरुआ थाना क्षेत्र निवासी कौशल कुमार ने अपने साथियों के साथ मिलकर अमित कुमार पर फायरिंग की थी। घटना मंगलवार, 25 अगस्त की देर रात हुई। अमित कुमार गांव में अपने दलान पर सो रहे थे। इसी दौरान आरोपियों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। फायरिंग में अमित को चार गोलियां लगी हैं। उनका पटना के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है, जहां उनकी

स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है।

बहन की मौत का अमित पर था शक: पुलिस जांच में सामने आया कि कौशल कुमार की बहन की वर्ष 2025 में दहेज को लेकर मौत हुई थी। इस मामले में उसकी बहन का पति धर्मेंद्र फिलहाल जेल में है। पुलिस के मुताबिक, कौशल को शक था कि उसकी बहन की हत्या में उसके देवर अमित कुमार की भी भूमिका थी। इसी संदेह के चलते कौशल ने अमित से बदला लेने की योजना बनाई और साथियों के साथ मिलकर फायरिंग की घटना को अंजाम दिया।

घटनास्थल से खोखे, कारतूस और पिलेट बरामद: फायरिंग की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच की। मौके से देसी कट्टे की एक गोली और एक खोखा, पिस्टल के तीन खोखे, चार जिंदा कारतूस और पिलेट्स बरामद किए गए हैं। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई थी। देर रात अचानक हुई गोलीबारी से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बन गया।

FSL टीम ने जुटाए साक्ष्य: डीएसपी-2 पंकज शर्मा के अनुसार, मामले की जांच के लिए FSL टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया था। टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं, जिनकी जांच की जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। मुख्य आरोपी कौशल कुमार की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई है। साथ ही उसके साथ वारदात में शामिल अन्य लोगों की पहचान और उनकी भूमिका की भी जांच की जा रही है।

आईजीआईएमएस में 500 बेड का नया अस्पताल तैयार

एजेंसी, पटना

इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (IGIMS) में इलाज कराने वाले मरीजों के लिए बड़ी राहत की तैयारी है। करीब पांच साल के लंबे इंतजार के बाद 500 बेड का नया अस्पताल लगभग पूरी तरह बनकर तैयार हो गया है। करीब 280 करोड़ रुपए की लागत से बने छह मंजिला भवन पांच ब्लॉक में बंटा है, जिसके शुरू होने के बाद संस्थान की कुल बेड क्षमता बढ़कर करीब 1700 हो जाएगी। नए अस्पताल में सामान्य वार्ड के साथ ओपीडी, ऑपरेशन थिएटर, क्रिटिकल केयर यूनिट और जनरल इमरजेंसी जैसी सुविधाएं एक ही भवन में उपलब्ध होंगी। अस्पताल के शुरू होने से सबसे बड़ी राहत इमरजेंसी मरीजों को मिलेगी। नए भवन में 100 बेड की अलग इमरजेंसी बनाई गई है।

100 बेड का इमरजेंसी वार्ड, गंभीर मरीजों को मिलेगी सुविधा: IGIMS में लंबे समय से इमरजेंसी बेड की कमी एक बड़ी समस्या थी, जिसके कारण गंभीर मरीजों को दूसरे अस्पतालों में जाना पड़ता था। इस समस्या को दूर करने के लिए नए अस्पताल में 100 बेड का एक अलग इमरजेंसी वार्ड बनाया गया है। इस

वार्ड में गंभीर मरीजों के इलाज के लिए विशेष व्यवस्था होगी, जहां डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ और पैरामेडिकल कर्मी लगातार निगरानी और उपचार प्रदान करेंगे। इसके अलावा, आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों के लिए 50 बेड का एक अलग आयुष्मान वार्ड भी बनाया गया है। इससे आयुष्मान कार्ड के जरिए इलाज कराने वाले मरीजों को भर्ती और उपचार में आसानी होगी।

हर विभाग के लिए अलग वार्ड और ओपीडी: 500 बेड के इस नए अस्पताल की खासियत यह होगी कि अलग-अलग विभागों को एक ही भवन में समग्र सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। संबंधित विभाग के लिए अपना वार्ड, ओपीडी,

100 बेड की इमरजेंसी, 50 बेड का आयुष्मान वार्ड, 1700 हो जाएगी कुल बेड क्षमता

ओटी, क्रिटिकल केयर यूनिट और जनरल इमरजेंसी की व्यवस्था की गई है। विभाग से जुड़े डॉक्टर, नर्स और पारा मेडिकल स्टाफ भी उसी फ्लोर पर उपलब्ध रहेंगे। यहां 24 घंटे डॉक्टरों की ड्यूटी की व्यवस्था होगी। इससे मरीजों को इलाज के लिए एक विभाग से दूसरे विभाग तक जाने की जरूरत कम होगी और गंभीर स्थिति में तुरंत चिकित्सकीय सहायता मिल सकेगी।

बेड से ही लिया जाएगा पैथोलॉजी जांच का सैंपल: नए अस्पताल में भर्ती मरीजों की पैथोलॉजिकल जांच को भी सुविधाजनक बनाया गया है। मरीजों को जांच के लिए अलग से ले जाने के बजाय उनके बेड से ही सैंपल कलेक्ट किया जाएगा। इससे गंभीर और चलने-फिरने में असमर्थ मरीजों को विशेष सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही अस्पताल में रेडियोलॉजिकल जांच की सुविधा भी उपलब्ध होगी। इससे भर्ती मरीजों की जरूरी जांच अस्पताल परिसर में ही कराई जा सकेगी।

'द ब्लेस्ड वन्स' का पटना में 9वां सेंटर खुला, विशेष बच्चों को मिलेगी थेरेपी और शिक्षा

एजेंसी, पटना

दिव्यांग और विशेष जरूरतों वाले बच्चों और उनके परिवारों के लिए राहत की खबर है। द ब्लेस्ड वन्स ने पटना के पाटलिपुत्र कॉलोनी में अपना नया सेंटर शुरू किया है। यह बिहार में संस्था का नौवां केंद्र है। सेंटर के शुरू होने से विशेष बच्चों को उनके शहर में ही थेरेपी, शिक्षा और कौशल विकास जैसी विशेषज्ञ सेवाएं मिलने की सुविधा होगी। नए सेंटर में ऑटिज्म, डाउन सिंड्रोम, एडीएचडी और सेरेब्रल पाल्सी सहित विभिन्न विशेष जरूरतों वाले बच्चों के लिए सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। विशेषज्ञ बच्चों की व्यक्तिगत जरूरतों को समझकर उनके व्यवहार, सीखने की क्षमता और रोजमर्रा के कौशल को बेहतर बनाने पर काम करेंगे।

सेंटर में बच्चों के लिए थेरेपी, स्पेशल एजुकेशन, स्किल

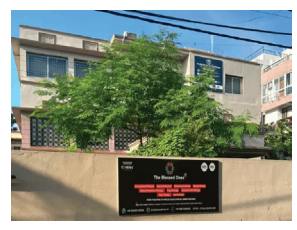

डेवलपमेंट और काउंसलिंग की सुविधा दी जाएगी। विशेषज्ञों की मदद से बच्चों की क्षमता, व्यवहार, सीखने की जरूरत और रोजमर्रा के कौशल पर काम किया जाएगा।

संस्था का फोकस सिर्फ बच्चों तक सीमित नहीं रहेगा। संस्था बच्चों के साथ-साथ उनके परिवारों को भी आवश्यक मार्गदर्शन देने पर ध्यान केंद्रित करेगी। यह पहल उन परिवारों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद होगी, जिन्हें अब तक विशेष बच्चों के लिए बेहतर सेवाओं की तलाश में दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता था।

27 जिलों में अलर्ट, अगले 2-3 दिनों तक बदला रहेगा मौसम

एजेंसी, पटना

बिहार में मानसून एक्टव है। सासाराम में तेज बारिश हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र ने आज यानी गुरुवार को प्रदेश के 27 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में आकाशीय बिजली भी गिरने की आशंका है। इसके साथ ही 40kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, अगले 2 से 3 दिनों तक मौसम बदला रहेगा और कुछ हिस्सों में भारी बारिश की संभावना है। वहीं, पिछले 24 घंटे में पटना, खगड़िया में बारिश हुई। इसके साथ ही गंगा नदी का जलस्तर दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। इससे बेगूसराय के बलिया प्रखंड के भवानंदपुर, परमानंदपुर, भगतपुर आदि इलाका बाढ़ से प्रभावित हो गया है।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, बिहार में फिलहाल बारिश का पैटर्न पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। अगले एक-दो दिनों में स्थानीय स्तर पर

बादल बनने और नमी के कारण कई जिलों में हल्की बारिश हो सकती है। इसका मतलब यह नहीं है कि पूरे राज्य में एक साथ तेज बारिश होगी। किसानों और आम लोगों को स्थानीय मौसम अपडेट पर नजर रखनी चाहिए। गरज-चमक के दौरान खुले मैदान, बिजली के खंभे और बड़े पेड़ों के आसपास जाने से बचना बेहतर होगा।

28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन भी बिहार में मौसम पूरी तरह साफ रहने की संभावना नहीं है। राज्य के कई हिस्सों में बादल छाए रह सकते हैं और कुछ जगहों पर हल्की बारिश हो सकती है। राजधानी में आज बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश की संभावना है।

पटना के होटल में सावन पर सेलिब्रेशन

एजेंसी, पटना

सावन आया तो मौसम ही नहीं, महिलाओं का मूड भी हरा हो गया। कोई हरे रंग की साड़ी में पहुंची, तो किसी ने सुनहरी चमक से सावन की महफिल लूट ली। मौका था पटना के होटल मौर्या में आयोजित 'सावन सहेली अपनों के संग' महोत्सव का। यहां गीत-संगीत, कजरी, डांस और दोस्ती ने ऐसा रंग जमाया कि पूरा माहौल सावन की मस्ती में डूब गया। 'सावन सहेली अपनों के संग' कार्यक्रम में राजनीति, कला और समाजसेवा से जुड़ी कई महिलाएं शामिल हुईं। जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और 'बॉस लेडीज' ग्रुप की सदस्यों ने भी आयोजन में शिरकत की और सावन के रंग में रंगी नजर आईं। कार्यक्रम में RLM प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा की पत्नी स्नेहलता कुशवाहा, मंत्री दीपक प्रकाश की पत्नी साक्षी मिश्रा कुशवाहा, लोकगायिका और विधायक मैथिली ठाकुर, बीजेपी विधायक विशाल प्रशांत की पत्नी ऐश्वर्या राज समेत कई महिलाएं शामिल हुईं। सभी ने गीत-संगीत और डांस के साथ सावन उत्सव का जमकर लुत्फ उठाया।

हरे-सुनहरे रंग में सजीं 'सावन सहेलियां': यहां महिलाएं सिर्फ सज-धजकर

पहुंची ही नहीं, बल्कि गाने गाए, ठुमके लगाए, सहेलियों के साथ खूब हंसी-मजाक किया और पुरानी यादों को भी ताजा किया। सावन के गीतों और कजरी की धुन पर महिलाओं ने जमकर मस्ती की। सावन की थीम थी, तो ड्रेस कोड में भी हरियाली का रंग दिखना लाजिमी था। हरे और सुनहरे रंग की आकर्षक साड़ियों में सजी महिलाएं जैसे ही कार्यक्रम में पहुंचीं, होटल मौर्या का माहौल भी सावन के रंग में रंग गया। हर महिला को खास तौर पर 'सावन सहेली' सैश पहनाया गया। इसके बाद तस्वीरों और सेल्फी का दौर शुरू हो गया। किसी ने सहेलियों के साथ पोज दिए, तो किसी ने पूरे ग्रुप के साथ यादगार पलों को कैमरे में कैद किया। कार्यक्रम की शुरुआत सावन के पारंपरिक लोकगीतों और मल्हार से हुई। महिलाओं ने मिलकर कजरी और सावन के गीत गाए। गीतों की मिठास ने माहौल में गांव की चौपाल और सावन की पुरानी यादों जैसा रंग भर दिया।

ढोल-DJ पर जमकर थिरकीं 'बॉस लेडीज': सावन के गीतों के बाद नृत्य और संगीत का दौर शुरू हुआ। जैसे ही ढोल की थाप और DJ की धुन गूंजी, महफिल का अंदाज ही बदल गया। सावन का मौसम, साथ में सहेलियां और ऊपर से DJ की धुन...फिर भला पैर कैसे रुकते। सहेलियों की टोलियां डांस फ्लोर पर पहुंचीं और जमकर ठुमके लगाए। किसी ने अकेले डांस किया तो कहीं सहेलियों की टोली एक साथ थिरकती नजर आई। इस दौरान महिलाओं ने अलग-अलग ग्रुप में डांस कर सावन की मस्ती और सहेलियों की दोस्ती का जश्न मनाया। गीत-संगीत और डांस के बीच हंसी-मजाक का दौर भी चलता रहा और पूरा माहौल उत्सव के रंग में रंगा नजर आया। सहेलियों की टोली बनी तो फिर औपचारिकता पीछे छूट गई। सुप्रसिद्ध लोक गायिका और विधायक मैथिली ठाकुर के साथ सभी ने एक-दूसरे का साथ दिया और डांस फ्लोर पर सावन की मस्ती का जमकर लुत्फ उठाया।

बाल रक्षा भारत द्वारा जीवन कौशल एवं आपदा तैयारी प्रशिक्षण आयोजित

बीएनएम@ मोतिहारी

सदर प्रखंड मोतिहारी अंतर्गत बरदाहा पंचायत भवन में चयनित युवाओं के लिए दो दिवसीय "युवा जीवन कौशल, आपदा तैयारी एवं परियोजना ज्ञान स्थायित्व प्रशिक्षण" का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन बाल रक्षा भारत (Save the Children) द्वारा सेल्सफोर्स के सहयोग से किया जा रहा है। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य युवाओं को केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि उन्हें जीवन की चुनौतियों और आपदा जैसी परिस्थितियों का सामना करने के लिए सक्षम बनाना है। इस दौरान प्रतिभागियों में नेतृत्व क्षमता, प्रभावी संवाद, आत्मविश्वास, टीमवर्क, निर्णय लेने की क्षमता तथा समस्या समाधान जैसे महत्वपूर्ण जीवन कौशल विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षण को रोचक और सहभागी बनाने के लिए विभिन्न समूह गतिविधियों, चर्चा एवं अनुभव साझा करने की पद्धति का उपयोग किया गया। युवाओं ने अलग-अलग गतिविधियों के माध्यम से यह समझने का प्रयास किया कि किसी कठिन परिस्थिति में शांत रहते हुए सही निर्णय कैसे लिया जाए और टीम के साथ मिलकर किसी समस्या का समाधान कैसे किया जा सकता है। प्रतिभागियों को यह भी बताया गया कि समुदाय में बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों तथा अन्य कमजोर वर्गों की सुरक्षा में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। प्रशिक्षण के दौरान आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं आपदा पूर्व तैयारी के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिभागियों को अर्ली वार्निंग सिस्टम, चेतावनी संदेशों के प्रसार, सुरक्षित निकासी, प्राथमिक उपचार तथा समुदाय स्तर पर स्वयंसेवक की भूमिका की जानकारी दी गई। स्थानीय स्तर पर संभावित आपदाओं और जोखिमों की पहचान करते हुए बाढ़, आग, आंधी-तूफान, बिजली गिरने, भूकंप तथा अत्यधिक गर्मी जैसी परिस्थितियों से बचाव और पूर्व तैयारी के उपायों पर चर्चा की गई। प्रशिक्षकों ने बताया कि आपदा आने के बाद राहत और बचाव कार्य महत्वपूर्ण होता है, लेकिन उससे पहले की गई तैयारी जान-माल के नुकसान को काफी हद तक कम कर सकती है। जागरूक और प्रशिक्षित युवा किसी भी समुदाय को अधिक सुरक्षित, सक्षम और आपदा के प्रति तैयार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। बाल रक्षा भारत के प्रशिक्षक हामिद रजा एवं सत्य प्रकाश ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने कहा कि युवा समुदाय की सबसे बड़ी शक्ति हैं और परियोजना के दौरान प्राप्त ज्ञान एवं अनुभव को केवल अपने तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपने गांव के अन्य बच्चों और युवाओं को भी आपदा तैयारी के प्रति जागरूक करें, अर्ली वार्निंग संदेशों को समय पर और सही तरीके से प्रसारित करें तथा भविष्य में मॉक ड्रिल, जागरूकता अभियान और सामुदायिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाएं। प्रशिक्षण में चांदनी कुमारी, मुस्कान कुमारी, ऐश्वर्या कुमारी, खुशबू कुमारी, अष्टमी कुमारी, नेहा कुमारी, विकास कुमार, रमेश कुमार, पवन कुमार, मनीषा कुमारी, अर्चना कुमारी सहित बरदाहा गांव के अन्य चयनित युवा प्रतिभागी उपस्थित थे।

एमजीसीयू में धूमधाम से मना राष्ट्रीय खेल दिवस, 'खेलों इंडिया संवाद' से जुड़े विद्यार्थी

बीएनएम@ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) के स्पोर्ट्स बोर्ड की ओर से राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय परिसर हाइब्रिड मोड के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रव्यापी 'खेलों इंडिया संवाद—खेलेगा भारत, खिलेगा भारत' कार्यक्रम से सीधे जुड़ा। देशभर के 1,500 से अधिक केंद्रों से आयोजित इस संवाद में केंद्रीय मंत्रियों, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों तथा 10 लाख से अधिक युवा खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और 'माय भारत' के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

प्रधानमंत्री- खेलों में बढ़ता सामर्थ्य देश की पहचान : कार्यक्रम की शुरुआत केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के स्वागत भाषण से हुई। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए युवाओं से उनके जीवन और उपलब्धियों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रमंडल खेल, ओलंपिक और एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि 'खेलो इंडिया' नीति के तहत आवंटित बजट से देश में विश्वस्तरीय खेल बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और 'नशा मुक्त भारत' के निर्माण में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

खेल सुविधाओं के विस्तार का संकल्प- प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स बोर्ड के वाइस चेयरमैन प्रो. शिरीष मिश्रा ने विद्यार्थियों को आधुनिक खेल संसाधन, बेहतर प्रशिक्षण और पेशेवर कोचिंग उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता जताई। मुख्य अतिथि एवं मोतिहारी नगर निगम के उप महापौर लाल बाबू प्रसाद गुप्ता ने युवाओं के बौद्धिक विकास के साथ शारीरिक विकास को भी आवश्यक बताया।

उन्होंने नगर निगम की ओर से खेल सामग्री एवं आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

खिलाड़ियों ने साझा किए अनुभव, ली नशामुक्ति की शपथ- कार्यक्रम में राष्ट्रीय फेंसिंग खिलाड़ी शिवम कुमार ने अपने खेल अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा किए। वहीं, कोच अप्पू कुमार ने विद्यार्थियों को खेल की तकनीक और अनुशासन से संबंधित जानकारी दी। छात्र-संवाद सत्र में विद्यार्थियों से विश्वविद्यालय में खेल सुविधाओं के विस्तार को लेकर सुझाव भी लिए गए।

इसके बाद उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने 'नशा मुक्त भारत' के निर्माण का संकल्प लेते हुए शपथ ली। कार्यक्रम का संचालन डॉ. उपमेश तलवार ने किया। समारोह का समापन राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' और राष्ट्रगान 'जन गण मन' के साथ हुआ। मौके पर डॉ. राकेश पांडे, डॉ. अरविंद शर्मा, डॉ. अनुपम वर्मा, डॉ. सुनील दीपक घोडके, जनसंपर्क अधिकारी शेफालिका मिश्रा, प्रो. गुप्ता सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

हरसिद्धि पुलिस की कार्रवाई, आठ वारंटी गिरफ्तार

» न्यायालय में उपस्थापन के लिए भेजे गए सभी गिरफ्तार आरोपी

बीएनएम@ मोतिहारी

हरसिद्धि थाना पुलिस ने लंबित वारंटों के निष्पादन को लेकर थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर आठ वारंटियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सभी आरोपियों को आवश्यक कार्रवाई के बाद माननीय न्यायालय में उपस्थापन के लिए भेजा जा रहा है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि पुलिस टीम ने वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाया। इसी क्रम में आठ वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अर्जुन यादव, विजय यादव, धूपन सहनी, तिलक मुखिया, परमात्मा प्रसाद, राजू साह, टुनटुन सिंह उर्फ संजय सिंह और उमेश प्रसाद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार वारंटियों में अर्जुन यादव पिता विजय यादव एवं विजय यादव पिता बाबूलाल यादव दोनों गोईठाहा निवासी हैं। धूपन सहनी पिता चंद्रिका सहनी बैरियाडीह निवासी, तिलक मुखिया पिता जनक मुखिया चन्द्रहिया निवासी, परमात्मा प्रसाद पिता हीरा शंकर सिंह विशुनपुरा निवासी, राजू साह पिता स्व. यादवलाल साह हरसिद्धि पकड़िया निवासी, टुनटुन सिंह उर्फ संजय सिंह पिता रविन्द्र सिंह कृतपुर निवासी तथा उमेश प्रसाद पिता धुरेंद्र प्रसाद हरसिद्धि निवासी हैं। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि गिरफ्तार सभी वारंटियों को संबंधित मामलों में न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। पुलिस द्वारा वारंटों के निष्पादन को लेकर अभियान आगे भी जारी रहेगा।

डीएलएसए सचिव ने किया पर्यवेक्षण गृह का निरीक्षण, स्वच्छता एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के सचिव नितिन त्रिपाठी ने गुरुवार को पर्यवेक्षण गृह (Observation Home) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किशोरों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में सचिव ने पर्यवेक्षण गृह परिसर में साफ-सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने परिसर के सभी हिस्सों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने तथा नमी के कारण खराब हुई दीवारों की आवश्यक मरम्मत कराकर पेंटिंग कार्य शीघ्र कराने को कहा, ताकि बच्चों को स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने पर्यवेक्षण गृह के अधिकारियों एवं कर्मियों को बाहर से किसी भी प्रकार के प्रतिबंधित अथवा अनधिकृत सामान/उत्पाद को अंदर लाए जाने पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया। प्रवेश एवं सुरक्षा व्यवस्था पर नियमित नजर रखने तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान सचिव ने किशोर न्याय बोर्ड (JJB) स्थित विधिक सहायता क्लिनिक का भी निरीक्षण किया। उन्होंने क्लिनिक के माध्यम से किशोरों को उपलब्ध कराई जा रही निःशुल्क विधिक सहायता एवं परामर्श व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि पात्र बच्चों को उनके अधिकारों, विधिक सहायता एवं किशोर न्याय से संबंधित प्रावधानों की जानकारी सरल भाषा में उपलब्ध कराई जाए। सचिव नितिन त्रिपाठी ने कहा कि पर्यवेक्षण गृह में रह रहे बच्चों को सम्मानजनक, सुरक्षित, स्वच्छ एवं बाल-अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बच्चों के हित एवं उनके पुनर्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया।

पोखर से बुजुर्ग का शव बरामद, पांच-छह दिनों से थे लापता

बीएनएम@ घोड़ासहन

थाना क्षेत्र के लौखान स्थित ढबड़ी पोखर से सोमवार को एक बुजुर्ग का शव बरामद होने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पोखर में शव मिलने की सूचना पर मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही घोड़ासहन थाना पुलिस दल-बल के साथ पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को पानी से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया। पुलिस की कार्रवाई के दौरान शव की पहचान कसवा कदमवा निवासी स्वर्गीय कुंजन साह के 75 वर्षीय पुत्र मिश्रीलाल साह के रूप में हुई। पहचान के बाद पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना दी। परिजनों के अनुसार, मिश्रीलाल साह मानसिक रूप से विक्षिप्त थे और पिछले पांच-छह दिनों से घर से लापता थे। परिवार के लोग लगातार उनकी तलाश कर रहे थे। शव की स्थिति को देखते हुए उसके करीब एक सप्ताह पुराना होने की आशंका जताई जा रही थी। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान की। शव मिलने के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। बताया गया कि परिजनों ने घोड़ासहन थाना में लिखित आवेदन देकर शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। घोड़ासहन थानाध्यक्ष अमरजीत कुमार ने बताया कि पोखर से बरामद शव की पहचान मिश्रीलाल साह के रूप में हुई है। आवश्यक कानूनी एवं कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। वहीं, पोखर में बुजुर्ग का शव मिलने को लेकर ग्रामीणों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं होती रहीं।

2,807 महिलाओं को प्रथम किश्त में 10 हजार, 2,551 को द्वितीय किश्त में 20 हजार की सहायता राशि

बीएनएम@ मोतिहारी

समृद्ध महिला-समृद्धि बिहार अभियान का शुभारंभ गुरुवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पटना से किया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण बिहार के सभी जिलों में किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के प्रथम किश्त के शेष लाभार्थियों को 10 हजार रुपये तथा द्वितीय किश्त के तहत 20 हजार रुपये की सहायता राशि का हस्तांतरण किया गया। साथ ही, जीविका निधि के तहत जीविका दीदियों को ऋण वितरण कार्यक्रम की भी शुरुआत की गई। मुख्यमंत्री ने बटन दबाकर डीबीटी के माध्यम से लाभुकों के खातों में राशि हस्तांतरित की। पूर्वी चंपारण जिले में कार्यक्रम का सीधा प्रसारण मोतिहारी समाहरणालय स्थित एनआईसी कक्ष में किया गया। इस दौरान जिला पदाधिकारी सौरभ सुमन यादव, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, जीविका

जिला परियोजना प्रबंधक प्रभारी सौरभ कुमार सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में जीविका दीदियां मौजूद रहीं। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण जिले के सभी 27 प्रखंड मुख्यालयों के अलावा जीविका के संकुल स्तरीय संघों, ग्राम संगठनों एवं स्वयं सहायता समूहों में भी किया गया। बड़ी संख्या में महिलाओं ने कार्यक्रम को लाइव देखा और मुख्यमंत्री का संबोधन सुना। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जीविका से जुड़ी कई दीदियों के अनुभव सुने और उनके कार्यों की सराहना की। उन्होंने बिहार में महिलाओं के लिए संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभ एवं महत्व की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने महिलाओं के आर्थिक विकास एवं रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए भविष्य में भी कार्य करने की प्रतिबद्धता जताते हुए महिलाओं को रोजगार से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। जिला पदाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के प्रथम किश्त के शेष लाभार्थियों के रूप में पूर्वी चंपारण जिले की 2,807 महिलाओं के खातों में 10 हजार रुपये की राशि अंतरित की गई। वहीं, योजना की द्वितीय किश्त के रूप में 2,551 महिलाओं को 20 हजार रुपये की सहायता राशि हस्तांतरित की गई। इसके अतिरिक्त जीविका निधि के तहत 375 जीविका दीदियों के खातों में ऋण की राशि भी हस्तांतरित की गई। ज्ञातव्य हो कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत बिहार के सभी पात्र परिवारों की एक महिला सदस्य, जो ग्रामीण अथवा शहरी क्षेत्र के स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हैं, उन्हें प्रथम किश्त के रूप में 10 हजार रुपये तथा द्वितीय किश्त के रूप में 20 हजार रुपये की सहायता राशि दी जा रही है। इसके साथ ही महिलाओं को अपना व्यवसाय आगे बढ़ाने के लिए जीविका निधि के माध्यम से ऋण भी उपलब्ध कराया जा रहा है। सहायता एवं ऋण की राशि के हस्तांतरण से पूर्वी चंपारण जिले में जीविका से जुड़ी महिलाओं एवं उनके परिवारों के साथ-साथ अन्य महिलाओं में भी खुशी का माहौल है।

एचएनपी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन स्कूल में रक्षाबंधन पर छात्राओं ने छात्रों को बांधी राखी

बीएनएम@ मोतिहारी

शहर के एचएनपी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन स्कूल में रक्षाबंधन के अवसर पर राखी व गिफ्ट कार्ड मेकिंग एक्टिविटी का आयोजन गुरुवार को किया गया। इस दौरान छात्राओं ने छात्रों को राखी बांधी और मिठाई खिलाई। स्कूल के छात्र - छात्राओं ने रंग बिरंगी हस्तनिर्मित राखियां और शुभकामनाएं कार्ड बनाए। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक छात्रों की कलाई पर राखी बांधी, उनका मुँह मीठा कराया और रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दी। स्कूल प्रबंधन ने छात्राओं द्वारा बनाई गई राखियों को देश की सेवा में लगे जवानों के लिए भेजा। बच्चों ने यह संदेश दिया कि वे सैनिकों को अपना बड़ा भाई मानते हैं, जो दिन रात देश की रक्षा करते हैं। इस कार्यक्रम में विद्यालय के डायरेक्टर डॉ. रवि अभिषेक, प्राचार्य रोहित कुमार, शिक्षक- शिक्षिका नीरजा कुमारी, ऋतुराज कुमार, मौसमी चटर्जी, राहुल कुमार, गोल्डी सिंह, संध्या कुमारी, मुस्कान कुमारी, कृति कुमारी, मधु कुमारी, राज मोहन श्रीवास्तव एवं छात्र - छात्राएं उपस्थित थे।

एलएनडी कॉलेज में खेलो इंडिया संवाद, पीएम मोदी ने खिलाड़ियों से किया संवाद

बीएनएम@ मोतिहारी

माई भारत एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में शहर के लक्ष्मी नारायण दुबे कॉलेज के स्वामी विवेकानंद सभागार में 'खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खिलाड़ियों से संवाद कर उन्हें खेलों के प्रति प्रोत्साहित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश में ऐसे कई खेल हैं, जो विश्व स्तर पर प्रचलित हैं, लेकिन भारत में गुमनाम हैं। जरूरत है कि ऐसे खेलों को पहचान दिलाई जाए। उन्होंने न्यूजीलैंड दौरे के दौरान मेजर ध्यानचंद से जुड़ी स्मृतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि ध्यानचंद ने अपनी प्रतिभा से भारत की प्रतिष्ठा को पूरे विश्व में स्थापित किया। उन्होंने कहा कि एक खिलाड़ी स्वयं के साथ गांव, समाज, राज्य और देश को भी

गौरवान्वित करता है। खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए उन्होंने कहा, "जो खेलेगा, वही खिलेगा।" कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक प्रमोद कुमार का प्राचार्य प्रो. (डॉ.) मृगेंद्र कुमार ने अंगवस्त्र, पौधा एवं पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। विधायक ने जिले में खेलों के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि खेल मंत्री रहते हुए मोतिहारी में खेल भवन, जिला स्कूल एवं विभिन्न महाविद्यालयों में खेल सुविधाओं के विकास के साथ लखौरा में स्टेडियम निर्माण की दिशा में पहल की गई। प्राचार्य प्रो. मृगेंद्र कुमार ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से खिलाड़ियों में नई ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही, खेल युवाओं को नशे से दूर रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस दौरान विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों अमन मिश्रा, अभिषेक, राजन कुमार, नितिन राज, तान्या सिंह एवं शैलेन्द्र को पुष्पगुच्छ और मेडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. दुर्वादल भट्टाचार्य ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने किया। मौके पर सहायक प्राध्यापक डॉ. सुबोध कुमार, डॉ. रमेश कुमार, प्रशाखा पदाधिकारी राजीव कुमार, खेल विभाग के रमेश कुमार एवं नेहरू युवा केंद्र की रानू कुमारी सहित अन्य मौजूद रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अभिषेक कुमार, उज्ज्वल, माही गुप्ता, आदिरा, तान्या, विक्की, मनोज एवं रिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

48 अनुसूचित जाति टोलों में समरसता संकल्प अभियान का शुभारंभ

बीएनएम@ मोतिहारी

संत गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर अनुसूचित जाति टोलों में समरसता संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को मोतिहारी प्रखंड के सिरसा माल पंचायत सरकार भवन में शिविर का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने संत गुरु रविदास जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया।जिलाधिकारी ने बताया कि विभागीय निर्देश के आलोक में पूर्वी चंपारण जिले के चयनित अनुसूचित जाति टोलों में प्रत्येक गुरुवार को माइक्रो प्लान के अनुसार 27 अगस्त 2026 से 15 फरवरी 2027 तक शिविर आयोजित किए जाएंगे। अभियान के प्रथम दिन जिले के कुल 27 प्रखंडों के 48 अनुसूचित जाति टोलों में शिविर लगाए गए।

शिविरों में सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए कुल 22 योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाए गए। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को शिविर में उपस्थित अनुसूचित जाति के लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करते हुए उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य शत-प्रतिशत पात्र लाभुकों को सरकारी योजनाओं से आच्छादित करना है। अभियान के तहत 18 से 20 अगस्त 2026 तक कलश यात्रा का भी आयोजन किया गया था। गुरुवार को आयोजित शिविर में जिलाधिकारी ने लालमुनी देवी, सविता कुँअर, राकेश राम, प्रेमशिला देवी, रिंकु देवी, सोना देवी एवं पिंकी देवी सहित लाभुकों के बीच राशन कार्ड तथा सूरज कुमार, संध्या कुमारी, अनुष्का कुमारी और रौशनी कुमारी को जन्म प्रमाण पत्र का Entitlement (हकदारी) वितरित किया। जिलाधिकारी ने शिविर प्रभारी को वंचित अनुसूचित जाति के लोगों से आवेदन प्राप्त कर उन्हें पात्रता के अनुरूप Entitlement (हकदारी) उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। मौके पर जिला कल्याण पदाधिकारी संतोष कुमार पाण्डेय, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी (मनरेगा), मुखिया राजकुमारी देवी, सरपंच रेखा देवी, विकास मित्र सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

संस्कृत भारतीय भाषा की जननी एवं ज्ञान की भाषा : पूर्व प्राचार्य

बीएनएम@ बगहा : देवभूमि देवरिया में देवभाषा सेवी ब्राह्मण कल्याण परिषद ने लंबे आर्थिक संघर्ष के बाद ब्राह्मण छात्रावास की आधारशिला पूजन कार्यक्रम मंत्रोच्चारण के साथ पूरा किया। इस अवसर पर डॉ मधुसूदन मणि त्रिपाठी की अध्यक्षता में श्रेष्ठ विद्वानों की एक गोष्ठी हुई। जिसमें संस्कृत दिवस मनाने की योजना बनाई गई। गोष्ठी को संबोधित करते हुए पूर्व प्राचार्य पंडित भरत उपाध्याय ने कहा कि संस्कृत भारतीय भाषा की जननी और ज्ञान की भाषा है। जिसकी परंपरा किसी एक धर्म, संप्रदाय या देवता तक सीमित नहीं रही। यह संपूर्ण भारतीय उपमहाद्वीप की ज्ञान परंपरा की संवाहक रही है। इसमें ज्ञान का सृजन, परिष्कार, संरक्षण और प्रसार होता है ।इस बार कल 28 अगस्त को अर्थात प्रतिवर्ष की भांति श्रावण मास की पूर्णिमा रक्षाबंधन के अवसर पर हम संस्कृत दिवस मनाएंगे। संस्कृत के प्रति सम्मान और प्रचार प्रसार को समर्पित यह दिवस नई पीढ़ी को भारत की प्राचीन भाषा साहित्य और संस्कृति से जोड़ने का अवसर भी है। इस अवसर पर आद्या प्रसाद शुक्ला, गिरीश चंद तिवारी, डॉक्टर शलभ मणि त्रिपाठी, डॉक्टर मकसूदन मिश्र, बृजेश कुमार पांडेय राहुल मणि, अनिल मणि, रमेश मिश्रा, विपिन बिहारी शुक्ला, दिनेश कुमार गुप्ता सहित सैकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गंडक नदी की स्थिति सामान्य, प्रशासन की है पैनी नजर : सीओ

मधुबनी की दो पंचायतों में सामूहिक किचन, प्रशासन अलर्ट

बीएनएम@ बगहा : बगहा अनुमंडल अंतर्गत गंडक पार स्थित मधुबनी प्रखंड में नेपाल के त्रिशूल नदी क्षेत्र में भूस्खलन के बाद गंडक नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी की आशंका को लेकर प्रशासन बुधवार की रात से ही अलर्ट मोड़ पर है। संभावित बाढ़ एवं कटाव की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने सिसही और चिऊरही पंचायत में सामूहिक किचन का संचालन कराया। चिऊरही पंचायत के लोगों के यत केलिए नैनहा तथा सिसही पंचालोगों के लिए सोहगी बरवा में सामूहिक किचन चलाया गया। दोनों पंचायतों में करीब पांच सौ लोगों ने सामूहिक किचन में भोजन किया। गुरुवार की सुबह भोजन करने के बाद लोग अपने-अपने घरों की ओर लौट गए। अंचलाधिकारी मधुबनी नंदलाल राम ने बताया कि फिलहाल गंडक नदी की स्थिति सामान्य है। प्रशासन लगातार नदी के जलस्तर पर नजर बनाए हुए है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अधिकारियों ने गंडक नदी में अधिक पानी आने की संभावना को देखते हुए एहतियातन तैयारियां की थीं। हालांकि, गुरुवार की दोपहर तक नदी में पानी की स्थिति सामान्य बनी हुई है। प्रशासन की ओर से लोगों से सतर्क रहने और किसी भी स्थिति में स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

जीएमआरडी कॉलेज में विकसित भारत युवा कनेक्ट कार्यक्रम

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने युवाओं से किया संवाद

बीएनएम@ समस्तीपुर। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर जीएमआरडी कॉलेज मोहनपुर परिसर में 'विकसित भारत–युवा कनेक्ट' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान युवाओं ने विकसित भारत के निर्माण, खेल सुविधाओं के विस्तार और वर्ष 2036 के ओलंपिक की तैयारियों को लेकर विचार साझा किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) विधान चंद्र भारती ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में मोहिउद्दीननगर विधायक राजेश कुमार सिंह, रोसड़ा विधायक बीरेन्द्र पासवान, एएनडी कॉलेज शाहपुर पटोरी के प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) अजय कुमार एवं शशिधर झा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर के युवाओं से वर्चुअल माध्यम से जुड़कर राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खिलाड़ियों और युवाओं को संबोधित किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य प्रो. विधान चंद्र भारती की पुस्तक 'बिहार में किसान आंदोलन' तथा डॉ. लक्ष्मण यादव की पुस्तकों 'का विमोचन किया गया।मौके पर महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. संतोष कुमार, डॉ. दिनेश प्रसाद, डॉ. सूर्य प्रताप, डॉ. अर्चना कुमारी, डॉ. प्रियंका, डॉ. सुनील कुमार पासवान, डॉ. अभय कुमार एवं डॉ. शशि एस. सुमन सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में कार्यक्रम समन्वयक डॉ. लक्ष्मण यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

ऑपरेशन मुस्कान से लौट रही लोगों की मुस्कान

गया पुलिस ने 85 बरामद मोबाइल वास्तविक धारकों को सौंपे

बीएनएम@ गयाजी। गयाजी पुलिस द्वारा चलाए जा रहे "ऑपरेशन मुस्कान" के तहत गुम एवं चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जिले के विभिन्न थाना एवं ओपी क्षेत्रों में आमजनों द्वारा मोबाइल गुम होने के संबंध में दर्ज कराए गए सनहा के आधार पर पुलिस ने तकनीकी माध्यम से मोबाइल फोन बरामद किए हैं। वरीय पुलिस अधीक्षक, गया के निर्देशन में जिले के सभी थानों में Tech. Team का गठन किया गया है। गठित तकनीकी टीम के सदस्यों द्वारा CEIR Portal की सहायता से कुल 85 मोबाइल फोन बरामद किए गए। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 34 लाख 75 हजार रुपये बताई गई है। बरामद किए गए मोबाइल फोन को एसएसपी सुशील कुमार द्वारा उनके वास्तविक धारकों को सौंपा गया, जिससे मोबाइल वापस मिलने पर लोगों के चेहरे पर खुशी लौट आई।

नेपाल में भारी बारिश और सैलाब के बाद मुख्यमंत्री वाल्मीकिनगर पहुंचे, दिया निर्देश

नेपाल में जलस्तर व मौसम की स्थिति पर लगातार नजर रखें अधिकारी

बीएनएम@ वाल्मीकिनगर

- सम्राट चौधरी ने गंडक बराज का लिया जायजा
- अधिकारियों से लिया हालात का फीडबैक

नेपाल में भारी बारिश और सैलाब के बाद बिहार के सीमावर्ती इलाकों में बढ़ी चिंता के बीच मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी वाल्मीकिनगर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने इंडो-नेपाल सीमा पर स्थित गंडक बराज और उसके फाटकों का निरीक्षण किया तथा नदी के जलस्तर की मौजूदा स्थिति का जायजा लिया। नेपाल में आई त्रासदी और बाढ़ के बाद गंडक नदी में पानी बढ़ने की आशंका को देखते हुए मुख्यमंत्री का वाल्मीकिनगर दौरा अहम माना जा रहा है। निरीक्षण के दौरान उनके साथ जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों से बराज की स्थिति, जलस्तर और संभावित बाढ़ के खतरे को लेकर विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मौके पर मौजूद बगहा एसडीएम चांदनी कुमारी और एसपी राजेश कुमार समेत जल संसाधन विभाग के अधिकारियों से स्थिति का हाल जाना। उन्होंने अधिकारियों से संभावित खतरे को लेकर तैयारियों और निगरानी व्यवस्था की जानकारी ली।मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि नेपाल में जलस्तर और मौसम की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाए। सीमावर्ती और निचले इलाकों में किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए प्रशासन को पूरी तरह तैयार रहने की जरूरत है। मुख्यमंत्री के अनुसार फिलहाल बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में बाढ़ की संभावना टल गई है और स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। हालांकि नेपाल में आई भीषण आपदा को देखते हुए एहतियात बरतना जरूरी है।सम्राट चौधरी ने कहा कि जिस तरह नेपाल में आपदा आई है, वह निश्चित रूप से चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी नेपाल की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और वहां मदद पहुंचाने के मामले में सक्रिय हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि नेपाल में आई त्रासदी का असर सीमावर्ती भारतीय इलाकों पर पड़ सकता है, इसलिए जलस्तर और नदियों की स्थिति पर लगातार निगरानी जरूरी है। प्रशासन और जल संसाधन विभाग को किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। इंडो-नेपाल सीमा पर स्थित गंडक बराज बिहार के लिए बेहद महत्वपूर्ण जल संरचना है। नेपाल से आने वाले पानी का सीधा असर गंडक नदी के जलस्तर पर पड़ता है।मुख्यमंत्री के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने उन्हें मौजूदा जलस्तर और बराज की स्थिति से अवगत कराया। फिलहाल हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं और बिहार में बड़े पैमाने पर बाढ़ की आशंका नहीं है।

अपर समाहर्ता ने सनहा गुड़गांव बांध का किया निरीक्षण

बीएनएम@ बेगूसराय

अपर समाहर्ता बृजकिशोर चौधरी ने साहेबपुरकमाल प्रखंड के सनहा गुड़गांव बांध का निरीक्षण किया। इस दौरान कब्रिस्तान ढ़ाला पर एक सुखे पीपल के पेड़ को हटवाने की मांग स्थानीय लोगों ने अपर समाहर्ता से की। पूर्व प्रमुख मनोज कुमार अपर समाहर्ता को बताया कि उक्त पेड़ से सटे नीचे 11000 वोल्ट का विद्युत प्रवाहित तार गुजरता है। इसलिए कभी भी अनहोनी हो सकता है। अपर समाहर्ता ने तुरंत बिजली विभाग के अधिकारियों को फोन कर वस्तु स्थिति से अवगत कराया और पीपल के उक्त पेड़ को हटवाने का निर्देश दिया। पूर्व प्रमुख चेचियाही बांध से समस्तीपुर के बीच जर्जर बांध को अविलंब पीसीसी कार्य कराने की मांग की है। मौके पर उपस्थित अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पैक्स अध्यक्ष रतन कुमार पासवान अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के आयोजन को मिली सरकारी स्वीकृति

बीएनएम@ बेगूसराय। ऐतिहासिक एवं प्रसिद्ध श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव, तेघड़ा के आयोजन को लेकर एक बड़ी और महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। बिहार सरकार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के आयोजन के लिए अपनी सहमति प्रदान करते हुए 11 लाख रुपये के आवंटन की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस महत्वपूर्ण स्वीकृति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए तेघड़ा के विधायक रजनीश कुमार ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव तेघड़ा की ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा हुआ महोत्सव है। इस महोत्सव को सरकारी स्तर पर स्वीकृति एवं आर्थिक सहयोग मिलना पूरे तेघड़ा के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक महोत्सव की स्वीकृति एवं इसके लिए राशि आवंटित कराने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बेगूसराय के लोकप्रिय सांसद एवं केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह तथा कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री प्रमोद चंद्रवंशी के प्रति मैं हृदय से सादर आभार एवं धन्यवाद प्रकट करता हूं।

आरपीसीएयू में पांचवें दीक्षारंभ 2026 का शुभारंभ

बीएनएम@ समस्तीपुर

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा में गुरुवार को पांचवें दीक्षारंभ 2026 कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के खेल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में 400 से अधिक नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं, संकाय सदस्यों एवं वैज्ञानिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और 'वंदे मातरम्' के सामूहिक गायन से हुई। मुख्य अतिथि रामकृष्ण मिशन विवेकानंद शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान, बेलूर मठ के कुलपति स्वामी सर्वोत्तमानंद ने विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों, अनुशासन और सेवा-भाव को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कृषि केवल पेशा नहीं, बल्कि राष्ट्र को अन्न उपलब्ध कराने का पवित्र दायित्व है। विशिष्ट अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व उपमहानिदेशक डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने दीक्षारंभ कार्यक्रम को विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. पी.एस. पाण्डेय ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को पेशेवर सफलता के साथ मजबूत चरित्र और राष्ट्र निर्माण की भावना से भी जोड़ना चाहता है। मौके पर कुलसचिव डॉ. पी.के. प्रणव सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, वैज्ञानिक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

केएसआर महाविद्यालय के अस्तित्व की रक्षा को लेकर एबीवीपी ने किया सद्बुद्धि महायज्ञ

बीएनएम@ समस्तीपुर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की सरायरंजन इकाई की ओर से गुरुवार को केदार संत रामाश्रय महाविद्यालय, सरायरंजन के अस्तित्व की रक्षा की मांग को लेकर सद्बुद्धि महायज्ञ का आयोजन किया गया। प्रस्तावित पटना–पूर्णिया ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे की अलाइनमेंट से महाविद्यालय के सामने उत्पन्न संकट के समाधान की मांग को लेकर आयोजित इस कार्यक्रम का नेतृत्व एबीवीपी सरायरंजन नगर सह मंत्री प्रिंस कुमार ने किया।महायज्ञ में कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय लोगों ने सरकार, एनएचएआई तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों की सद्बुद्धि के लिए प्रार्थना की, ताकि जनहित में न्यायपूर्ण निर्णय लेते हुए महाविद्यालय के अस्तित्व की रक्षा की जा सके। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं स्थानीय लोग शामिल हुए।एबीवीपी के प्रांत सह मंत्री अनुपम कुमार झा ने कहा कि केदार संत रामाश्रय महाविद्यालय क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र है। इसके अस्तित्व पर किसी भी प्रकार का संकट हजारों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा है। सरकार और प्रशासन को संवेदनशीलता के साथ इस मामले पर विचार कर महाविद्यालय को सुरक्षित रखने की दिशा में ठोस पहल करनी चाहिए।जिला संयोजक केशव माधव ने कहा कि एबीवीपी पिछले तीन महीनों से लगातार इस गंभीर मुद्दे को उठा रही है। मौके पर अंशु श्रीवास्तव, जुशी कुमारी, शिवानी, पप्पू साह, किशोर शाह, उमेश झा, राहुल झा, दिनेश झा, विजय झा, भरत झा, फूलदेव, शुभम कुमार, अमन कुमार झा, निक्कू आर्य, अनुराग कुमार, प्रिंस कुमार, मनीष कुमार, आनंद चौधरी, सोनू झा, नीतीश कुमार, राहुल कुमार, पंकज कुमार, हिमांशु कुमार यादव, शुभम राज, राम बाबू महतो, करण, रूपेश, आदित्य, आर्यन, रजनीश, अमित कुमार, रौनक कुमार, अंकित, अमर कुमार, आयुष कुमार, धीरज कुमार, कृष्ण यादव, अंशु कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रक्सौल को आर्थिक हब के रूप में विकसित करने को लेकर आईसीपी में बैठक

बीएनएम@ रक्सौल

आधारभूत संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण, बेहतर कनेक्टिविटी और शहरी विकास पर हुआ मंथन

रक्सौल को सुदृढ़ एवं विकसित आर्थिक हब के रूप में विकसित करने तथा क्षेत्र की आधारभूत संरचनाओं को मजबूत बनाने को लेकर गुरुवार को इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट (आईसीपी), रक्सौल में जिला प्रशासन एवं संबंधित हितधारकों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी ने की। यह बैठक केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री की अध्यक्षता में 25 फरवरी 2026 को किशनगंज में आयोजित भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण की समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन के क्रम में आयोजित की गई। बैठक में रक्सौल में व्यापारिक एवं औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ-साथ क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान एयरपोर्ट, रेलवे, बस स्टैंड, एनएचएआई, नेटवर्क प्रोवाइडर, टाउन प्लानिंग सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। रक्सौल की बढ़ती व्यावसायिक एवं यातायात आवश्यकताओं को देखते हुए बेहतर कनेक्टिविटी, यातायात प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था, सार्वजनिक परिवहन तथा शहरी आधारभूत संरचनाओं के विकास की संभावनाओं पर भी मंथन किया गया। इसके अलावा शहर के सौंदर्यीकरण, स्वच्छता, यातायात व्यवस्था एवं सुव्यवस्थित शहरी नियोजन को लेकर आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने पर जोर दिया गया। विभिन्न विभागों एवं संबंधित हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाने की बात कही गई। बैठक में जिलाधिकारी, उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, विशेष कार्य पदाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी, एसएसबी के प्रतिनिधि, एनएचएआई, बस संचालक, चैंबर ऑफ कॉमर्स, एयरटेल, जियो सहित अन्य संबंधित विभागों एवं संस्थाओं के पदाधिकारी व प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक के अंत में सभी संबंधित विभागों एवं हितधारकों को अपने-अपने क्षेत्र से संबंधित प्रस्ताव एवं आवश्यक कार्ययोजना उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ रक्सौल के समग्र, सुव्यवस्थित एवं दीर्घकालिक विकास की दिशा में कार्य करने को कहा गया।

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत जीविका सुधा विक्री केंद्र का शुभारंभ

बीएनएम@ समस्तीपुर

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत जीविका एवं कम्पोस्ट से संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुरुवार को जीविका सुधा बिक्री केंद्र का शुभारंभ किया गया। जिलाधिकारी, समस्तीपुर रोशन कुशवाहा की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में बिक्री केंद्र की शुरुआत की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि महिला सशक्तीकरण और महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार द्वारा कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करना और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि जीविका समूहों से जुड़ी महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे विभिन्न उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने में जीविका सुधा बिक्री केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे स्थानीय स्तर पर तैयार उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा मिलेगा और जीविका दीदियों को अपने उत्पादों के लिए स्थायी बाजार उपलब्ध हो सकेगा। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं जीविका कर्मियों को बिक्री केंद्र के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कार्यक्रम में संबंधित विभागों के पदाधिकारी, जीविका कर्मी, जीविका समूहों से जुड़ी महिलाएं एवं लाभुकगण उपस्थित रहे।

अवैध वसूली के आरोप में गुरारू थानाध्यक्ष पर गिरी गाज

एसएसपी ने अखिलेश कुमार को हटाया

बीएनएम@ गयाजी

गुरारू थाना क्षेत्र में शराब माफिया, बालू माफिया और मिट्टी लदे वाहनों से अवैध वसूली के आरोपों को लेकर आईजी के निर्देश पर पुलिस कप्तान ने बड़ी कार्रवाई की है। मगध क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक विकास वैभव के निर्देश के बाद गया के वरीय पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार ने गुरारू थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। एसएसपी ने उन्हें पुलिस केंद्र, गया में पदस्थापित करते हुए 24 घंटे के भीतर योगदान देने का निर्देश जारी किया है। इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है।मामला एक शिकायत और उसके बाद कराई गई विभागीय जांच से जुड़ा है। पुलिस महानिरीक्षक आईजी विकास वैभव ने जारी पत्र के माध्यम से मामले की जानकारी एसएसपी कार्यालय को दी गई थी। पत्र में बताया गया कि आवेदक रविशंकर अवस्थी की ओर से दिए गए आवेदन में गुरारू थाना के तत्कालीन थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार और चौकीदार दुर्गी पासवान के पुत्र ललन कुमार पर गंभीर आरोप लगे थे। आवेदन में आरोप था कि गुरारू थाना क्षेत्र में शराब माफिया, बालू माफिया तथा मिट्टी लदे वाहनों से नियमित रूप से अवैध वसूली की जा रही है। शिकायत के बाद मामले की जांच पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) दिव्यांजलि जायसवाल से कराई गई। जांच के दौरान शिकायत में लगाए गए आरोपों के संबंध में गोपनीय सूचना के माध्यम से प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से भी तथ्यों की जानकारी जुटाई गई। जांच रिपोर्ट में सामने आए तथ्यों को गंभीर मानते हुए पुलिस विभाग ने कार्रवाई का निर्णय लिया। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया कि थानाध्यक्ष गुरारू द्वारा चौकीदार दुर्गी पासवान के पुत्र ललन कुमार को थाना पर रखकर अवैध वसूली का काम कराए जाने की बात प्रकाश में आई है। जांच में सामने आए इन तथ्यों के कारण थानाध्यक्ष और चौकीदार के पुत्र ललन कुमार का आचरण संदिग्ध पाए जाने की बात कही गई।

संत रविदास जयंती पर मोरदिवा में लगा विशेष शिविर

अधिकारियों ने सुनीं समस्याएं

बीएनएम@ समस्तीपुर

संत शिरोमणि रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर गुरुवार को मोरदिवा पंचायत भवन परिसर में विशेष संत रविदास शिविर का आयोजन किया गया। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग तथा बिहार महादलित विकास मिशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं रखीं। विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए सहायता पटल पर ग्रामीणों से आवेदन लिए गए तथा कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन किया गया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी ने कहा कि संत रविदास ने सामाजिक समानता, समरसता और भाईचारे का संदेश दिया। उनका विचार ऐसे समाज की स्थापना का था, जहां जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं हो। शिविर में प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध तरीके से निष्पादन किया जाएगा। शिविर में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पंचायती राज, समाज कल्याण, राजस्व एवं आपूर्ति समेत विभिन्न विभागों की ओर से सहायता पटल लगाए गए थे। ग्रामीणों ने पेंशन, राशन, आवास, छात्रवृत्ति, भूमि संबंधी मामले, स्वास्थ्य जांच एवं कृषि से जुड़ी समस्याओं को लेकर आवेदन दिए। मौके पर पुलिस अधीक्षक, जिला कल्याण पदाधिकारी, बीडीओ, बीईओ, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी एवं प्रखंड कृषि पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। प्रखंड बीस सूत्री उपाध्यक्ष, प्रखंड उप प्रमुख एवं स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

नेपाल में तबाही का आलमः GEN-Z आंदोलन से बाढ़ की त्रासदी तक

राकेश कुमार

नेपाल आज केवल प्राकृतिक आपदा से नहीं जूझ रहा है, बल्कि वह एक ऐसे दौर से गुजर रहा है जिसमें राजनीतिक अस्थिरता, युवा आक्रोश, शासन व्यवस्था की चुनौतियां और हिमालयी पर्यावरण का संकट एक-दूसरे से जुड़ते दिखाई दे रहे हैं। पिछले वर्ष का Gen-Z आंदोलन नेपाली राजनीति की बुनियाद को हिला गया था। अब अगस्त 2026 में नेपाल-चीन सीमा पर आई विनाशकारी बाढ़ ने देश के सामने एक और भयावह चुनौती खड़ी कर दी है। यह महज संयोग नहीं कि एक ओर युवा पीढ़ी व्यवस्था से जवाब मांग रही है और दूसरी ओर प्रकृति स्वयं व्यवस्था की कमजोरियों का हिसाब मांगती नजर आ रही है। सितंबर 2025 में नेपाल में Gen-Z आंदोलन ने जिस तरह सत्ता को चुनौती दी, वह दक्षिण एशियाई राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटना थी। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध, भ्रष्टाचार, राजनीतिक संरक्षणवाद और सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों की कथित ऐश्वर्यपूर्ण जीवनशैली के खिलाफ शुरू हुआ युवाओं का आक्रोश देखते ही देखते देशव्यापी आंदोलन में बदल गया। आंदोलन इतना व्यापक हुआ कि तत्कालीन प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा। हिंसा और आगजनी में सरकारी तथा राजनीतिक प्रतिष्ठानों को भारी नुकसान पहुंचा और दर्जनों लोगों की जान गई। लेकिन Gen-Z आंदोलन को केवल एक राजनीतिक विद्रोह के रूप में देखना भूल होगी। इसके पीछे उस पीढ़ी की बेचैनी थी, जिसे लगता है कि लोकतंत्र ने उसे अधिकार तो दिए, लेकिन अवसर, पारदर्शिता और जवाबदेही नहीं दी। युवा यह सवाल पूछ रहे थे कि आखिर राजनीति का उद्देश्य सत्ता हासिल करना है या नागरिकों की जिंदगी बेहतर बनाना? यह सवाल नेपाल तक सीमित नहीं है। दक्षिण एशिया के लगभग हर लोकतंत्र में नई पीढ़ी इसी प्रश्न से जूझ रही है। नेपाल में आंदोलन के बाद सत्ता समीकरण बदले, नेतृत्व बदला और नई राजनीतिक उम्मीदें पैदा हुईं। लेकिन सत्ता बदलने से व्यवस्था अपने आप नहीं बदलती। किसी भी लोकतंत्र की असली परीक्षा आंदोलन के बाद शुरू होती है। सड़क पर उमड़ा आक्रोश यदि संस्थागत सुधार में नहीं बदलता तो वही निराशा कुछ समय बाद फिर किसी नए आंदोलन का रूप ले सकती है। इसी पृष्ठभूमि में अगस्त 2026 की प्राकृतिक आपदा नेपाल के लिए एक और गंभीर चेतावनी बनकर सामने आई है। 26 अगस्त को नेपाल-चीन सीमा के पास हिमालयी क्षेत्र में बर्फ, चट्टान और मलबे के अचानक खिसकने से भीषण बाढ़ आई। पानी और मलबे की तेज धारा ने बस्तियों, सड़कों, पुलों और बुनियादी ढांचे को अपनी चपेट में ले लिया। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार इस त्रासदी में कम से कम 160 से अधिक लोगों की मौत हुई और बड़ी संख्या में लोग अब भी लापता हैं। इस आपदा की भयावहता इसलिए भी अधिक है क्योंकि प्रभावित क्षेत्र केवल स्थानीय आबादी का इलाका नहीं था। यहां पर्यटक, तीर्थयात्री, सुरक्षाकर्मी और सीमा क्षेत्र में काम करने वाले लोग भी मौजूद थे। बड़ी संख्या में विदेशी नागरिकों के लापता होने की खबर ने इस त्रासदी को अंतरराष्ट्रीय चिंता में बदल दिया है। भारत के नागरिक भी लापता लोगों में शामिल बताए जा रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इस आपदा को केवल 'प्राकृतिक आपदा' कहकर हम अपनी जिम्मेदारी से बच सकते हैं? हिमालय कोई स्थिर पर्वत नहीं है। वह लगातार बदल रहा है। तापमान में वृद्धि, ग्लेशियरों का पिघलना, बदलते वर्षा पैटर्न, भूस्खलन और अचानक आने वाली बाढ़ ने हिमालयी क्षेत्र की संवेदनशीलता बढ़ा दी है। जब प्रकृति के साथ मानवीय हस्तक्षेप भी बढ़ता है तो जोखिम कई गुना हो जाता है। सड़क निर्माण, सुरंगें, जलविद्युत परियोजनाएं, अनियोजित पर्यटन और कमजोर ढांचागत योजना यदि पर्यावरणीय संतुलन की अनदेखी करें तो आपदा का खतरा और बढ़ जाता है। नेपाल की त्रासदी भारत के लिए भी चेतावनी है। हिमालय के दोनों ओर रहने वाले समाजों की नियति एक-दूसरे से जुड़ी है। नेपाल में किसी नदी का उफान भारत के बिहार और उत्तर प्रदेश तक असर डाल सकता है। खासकर बिहार के लिए नेपाल से आने वाली नदियां हमेशा से चिंता का विषय रही हैं। इसलिए नेपाल में आने वाली बड़ी बाढ़ केवल नेपाल की समस्या नहीं है। यह भारत के लिए भी सीमा पार आपदा प्रबंधन का प्रश्न है। आज जरूरत केवल राहत सामग्री भेजने की नहीं है। जरूरत एक साझा हिमालयी आपदा प्रबंधन व्यवस्था की है। नेपाल, भारत और चीन को संवेदनशील नदी घाटियों, ग्लेशियरों, भूस्खलन संभावित क्षेत्रों और मौसम संबंधी चेतावनियों को लेकर वास्तविक समय में सूचनाएं साझा करनी होंगी। सीमा की राजनीतिक संवेदनशीलता अपनी जगह है, लेकिन आपदा की कोई सीमा नहीं होती। जिस तरह Gen-Z आंदोलन

ने नेपाल के राजनीतिक तंत्र को बताया कि युवा पीढ़ी अब चुप रहने वाली नहीं है, उसी तरह यह बाढ़ प्रकृति का संदेश है कि विकास की कीमत पर्यावरण की अनदेखी करके नहीं चुकाई जा सकती। लोकतंत्र में जनता जवाब मांगती है और प्रकृति अपने तरीके से जवाब देती है। नेपाल की सबसे बड़ी चुनौती अब यही है कि वह इन दोनों संदेशों को समझे। युवा आंदोलन से मिली राजनीतिक चेतावनी और प्राकृतिक आपदा से मिली पर्यावरणीय चेतावनी को अलग-अलग घटनाओं की तरह देखने के बजाय इन्हें एक व्यापक राष्ट्रीय संकट के हिस्से के रूप में देखना होगा। Gen-Z ने पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग की थी। आज वही जवाबदेही आपदा प्रबंधन में भी जरूरी है। कितने लोगों को समय पर चेतावनी मिली? संवेदनशील इलाकों में निकासी की व्यवस्था कितनी मजबूत थी? पुल और सड़कें किस मानक पर बनी थीं? आपदा के बाद राहत और बचाव कितनी तेजी से पहुंचा? इन सवालों के जवाब केवल जांच रिपोर्ट के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की सुरक्षा के लिए जरूरी हैं। नेपाल को अब ऐसी राजनीति चाहिए जो केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित न हो। उसे ऐसी शासन व्यवस्था चाहिए जो स्थानीय प्रशासन को मजबूत करे, वैज्ञानिक चेतावनी प्रणाली विकसित करे, पर्यावरणीय कानूनों को कठोरता से लागू करे और आपदा के समय सेना, पुलिस, स्थानीय निकाय तथा नागरिक समाज के बीच तत्काल समन्वय सुनिश्चित करे। इसके साथ ही विकास की अवधारणा पर भी पुनर्विचार करना होगा। पहाड़ों में सड़क चाहिए, बिजली चाहिए, पर्यटन चाहिए, रोजगार चाहिए, लेकिन विकास का अर्थ पहाड़ों को कमजोर करना नहीं हो सकता। यदि एक सड़क बनाने के लिए पहाड़ की प्राकृतिक संरचना को इस हद तक काट दिया जाए कि बारिश में पूरा ढलान ही खिसक जाए, तो वह विकास नहीं बल्कि भविष्य की आपदा का निमंत्रण है। आज नेपाल की तस्वीर बेहद पीड़ादायक है। एक तरफ वह युवा है जिसने सत्ता से सवाल पूछने का साहस दिखाया और दूसरी तरफ वह आम नागरिक है जो अचानक आई बाढ़ में अपना घर, रोजगार और परिवार खो बैठा है। एक तरफ लोकतंत्र को नई दिशा देने की आकांक्षा है, दूसरी तरफ प्रकृति के सामने इंसान की असहायता है। फिर भी संकट के बीच उम्मीद बची हुई है। नेपाल की जनता ने राजनीतिक संकटों का सामना किया है, भूकंप झेला है, बाढ़ और भूस्खलन झेले हैं और हर बार राख से उठकर आगे बढ़ने की कोशिश की है। इस बार भी देश को यही साहस चाहिए—लेकिन साहस के साथ सीख भी। Gen-Z आंदोलन को केवल अराजकता के रूप में देखना उतना ही गलत होगा जितना बाढ़ को केवल मौसम की मार मान लेना। दोनों घटनाएं संकेत देती हैं कि पुराने ढर्रे अब पर्याप्त नहीं हैं। समाज बदल रहा है, जलवायु बदल रही है और नागरिकों की अपेक्षाएं भी बदल रही हैं। नेपाल के सामने आज दो रास्ते हैं। पहला रास्ता है—घटना के बाद कुछ दिन शोक, कुछ घोषणाएं, कुछ राहत और फिर वही पुरानी व्यवस्था। दूसरा रास्ता है—इस संकट को परिवर्तन का अवसर बनाया जाए। राजनीतिक जवाबदेही मजबूत हो, युवाओं को निर्णय प्रक्रिया में वास्तविक भागीदारी मिले, पर्यावरण संरक्षण को विकास का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए और आपदा प्रबंधन को राष्ट्रीय सुरक्षा के बराबर महत्व दिया जाए। नेपाल को दूसरे रास्ते का चुनाव करना होगा। क्योंकि पहाड़ की चोटी से गिरने वाला मलबा केवल नदी का रास्ता नहीं बदलता, वह इंसान को उसकी सीमाओं का एहसास भी कराता है। और सड़क पर उतरने वाला युवा केवल सरकार नहीं बदलता, वह लोकतंत्र से उसकी आत्मा वापस मांगता है। आज नेपाल के लिए दोनों संदेश स्पष्ट हैं—जनता की आवाज को सुनिए और प्रकृति के संकेत को समझिए। यदि इन दोनों चेतावनियों को नजरअंदाज किया गया तो आने वाले वर्षों में नेपाल को केवल राजनीतिक तूफानों और प्राकृतिक आपदाओं से नहीं, बल्कि दोनों के संयुक्त संकट से जूझना पड़ सकता है। लेकिन यदि इनसे सबक लिया गया, तो यही दौर नेपाल के लिए पुनर्निर्माण, जवाबदेही और टिकाऊ विकास की नई शुरुआत भी बन सकता है। नेपाल की त्रासदी पर आंसू बहाना जरूरी है, लेकिन उससे ज्यादा जरूरी है यह तय करना कि अगली त्रासदी में इतने आंसू बहाने की नौबत ही न आए।

(लेखक- बॉर्डर न्यूज़ मिरर में सब-एडिटर हैं)

सद्गुरु महात्मा सुशील कुमार का मासिक महानिर्वाण दिवस श्रद्धा और साधना के साथ मनाया गया

विनोद तकियावाला

- गुरु माता माँ विजया की दिव्य उपस्थिति में इस्सयोगियों ने की साधना, भजन-कीर्तन और जनकल्याण कन्याण हेतु ब्रह्माण्ड साधना किया

गुरुग्राम, सद्गुरुदेव महात्मा सुशील कुमार का मासिक महानिर्वाण दिवस गुरु माता माँ विजया की दिव्य उपस्थिति में गुरुग्राम स्थित सुशांत लोक के ब्लॉक सामुदायिक केंद्र में श्रद्धा, भक्ति और दिव्य वातावरण में मनाया गया। आज के कार्यक्रम में दिल्ली/एनसीआर बड़ी संख्या में इस्सयोगियों ने उपस्थित होकर सद्गुरुदेव के चरणों में श्रद्धा अर्पित की और जनकल्याण की कामना के साथ सामूहिक साधना की। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के सचिव के. एस. वर्मा ने सद्गुरुदेव महात्मा सुशील कुमार एवं गुरु माता माँ विजया के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद सद्गुरुदेव के आवाहन हेतु 10 मिनट की आवाहन साधना की गई। इसके उपरांत भजन-कीर्तन हुआ, जिसमें इस्सयोगियों ने भक्तिभाव से भाग लिया।विश्व एवं जनकल्याण के लिए लगभग आधे घंटे की सामूहिक साधना भी की गई।इस मौके पर इस्सयोगियों ने सद्गुरुदेव के प्रति अपने भाव और अनुभूतियाँ साझा किए। साधकों ने कहा कि सद्गुरु द्वारा दिखाया गया साधना का दिव्य मार्ग जीवन को भीतर से बदलने और सकारात्मक चेतना से जोड़ने का मार्ग है। इस्सयोग की नियमित सुक्ष्म साधना से मन की चंचलता कम होती है और व्यक्ति संसार की मोह-माया से ऊपर उठकर अपने भीतर की शक्ति को पहचानने का प्रयास करता है। गुरु माता माँ विजया ने अपने आशीर्वचन में साफव साधना के महत्व को स्पष्ट करते हुए कहा कि आशीर्वाद दिया नहीं जाता, ग्रहण किया जाता है। मैने गुरुपूर्णिमा के अवसर पर भी साधकों से यही कहा था कि गुरु के पास जाने और साधना में बैठने से साधक को शक्ति प्राप्त होती है। साधना के समय व्यक्ति सांसारिक मोह-माया से दूर होकर अपने भीतर की चेतना से जुड़ता है।

माता जी कहा कि साधकों को अपनी चेतना को सदैव सकारात्मक रखना चाहिए। जीवन के प्रत्येक कार्य में अपनी श्वासों पर ध्यान केंद्रित करने का अभ्यास किया जा सकता है। भोजन करते समय,स्नान करते समय अथवा दैनिक कार्य करते हुए भी अपनी श्वास के प्रति सजग रहना साधना की निरंतरता को बनाए रखने में सहायक होता है। गुरु माता ने साधकों को प्रतिदिन कम से कम एक घंटे साधना में बैठने का आह्वान करते हुए कहा कि परिस्थितियाँ कैसी भी हों,साधना का क्रम नहीं टूटना चाहिए।उन्होंने कहा कि साधक जब साधना के पथ पर आगे बढ़ता है तो उसके भीतर का अज्ञान और नकारात्मकता पीछे छूटने लगती है। भगवान को अपने स्तर पर नीचे लाने के बजाय स्वयं को भगवान के निकट और ऊँचे आध्यात्मिक स्तर तक ले जाने का प्रयास करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि साधक को साधना का मार्ग दिया गया है। आज नहीं तो कल उसका फल अवश्य प्राप्त होगा। आवश्यकता केवल निरंतरता, विश्वास और गुरु के वचनों का पालन करने की है। गुरु मार्ग दिखाने का कार्य करते हैं, उस मार्ग पर चलकर उसे जीवन में उतारने का कार्य साधक को स्वयं करना होता है। गुरु माता माँ विजया ने विद्यापति के संदर्भ का उल्लेख करते हुए कहा कि गुरु का काम मार्ग बता देना है, उस पर अमल साधक को स्वयं करना है।उन्होंने कहा कि यह ब्रह्मांड चलायमान है और मनुष्य स्वयं चेतन सत्ता है।वह पराशक्ति से जुड़ा हुआ है।इसलिए जीवन में सदैव सकारात्मक विचारों को स्थान देना चाहिए और नकारात्मक सोच से बचना चाहिए।मालिक का काम साधक को वह देना है जिसकी उसे आवश्यकता है।साधक को अपने भीतर ऐसी स्थिति विकसित करनी चाहिए,जहाँ वह सहज और निष्काम भाव में रह सके। यह स्थिति धीरे-धीरे साधना के माध्यम से आपके जीवन में आती है।संसार नश्वर है,इसलिए मनुष्य को सांसारिक जीवन में रहते हुए अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करना चाहिए और साथ ही आध्यात्मिक साधना को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए।गुरु माता ने कहा कि साधना कोई एक दिन या किसी विशेष अवसर तक सीमित रहने वाली प्रक्रिया नहीं है।यह जीवन को अनुशासित करने और चेतना को परिष्कृत करने की निरंतर यात्रा है।साधक को परिस्थितियों से विचलित हुए बिना गुरु के बताए मार्ग पर आगे बढ़ते रहना चाहिए।कार्यक्रम के अंत में इस्सयोगियों ने सद्गुरुदेव महात्मा सुशील कुमार के बताए साधना मार्ग पर निरंतर चलने तथा समाज और जनकल्याण के लिए अपनी सकारात्मक भूमिका निभाने का संकल्प लिया। सामूहिक साधना और भजन-कीर्तन के साथ पूरा सामुदायिक केंद्र आध्यात्मिक एवं भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा।

(स्वतंत्र पत्रकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

एआई का प्रशिक्षण घर बैठे

अजीत द्विवेदी

इतिहास अपने को दोहरा रहा है। राजीव गांधी ने प्रधानमंत्री रहते कंप्यूटर क्रांति या व्यापक रूप से कहें तो संचार क्रांति की बुनियाद रखी। उस क्रांति की अंत परिणति यह हुई कि भारत 21वीं सदी में पहुंचा तो हर काम कंप्यूटर पर करने लगा लेकिन कंप्यूटर बनाना उसके लिए मुश्किल ही रहा। जैसे तैसे कुछ कंपनियों ने कंप्यूटर बनाना शुरू कर दिया लेकिन कंप्यूटर का दिमाग यानी उसका ऑपरेटिंग सिस्टम भारत नहीं बना सका। इसी तरह सोशल मीडिया क्रांति में भी भारत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का उपयोक्ता बना रहा। हम गर्व से कह सकते हैं कि भारत में सारे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स मिल कर एक अरब भारतीय यूजर्स हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़ी तीसरी क्रांति आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की है। इसमें भी भारत एआई टूल्स का सबसे बड़ा उपयोक्ता बन गया है। पिछले दिनों भारत में इसे लेकर एक सम्मेलन हुआ तो सैम ऑल्टमैन ने बड़ी शान से बताया कि भारत में उनके एआई प्लेटफॉर्म यानी चैटजीपीटी का इस्तेमाल 13 करोड़ लोग करते हैं। भारत एआई आधारित सेक्टर स्पेशिफिक टूल्स विकसित कर रहा है। अपना लार्ज लैंग्वेज मॉड्यूल तैयार नहीं हो पाया है और अगर कुछ काम हुआ भी है तो कोई इसका इस्तेमाल नहीं कर रहा है। एआई सम्मेलन के बाद पहला स्वतंत्रता दिवस आया, जो भारत का 80वां स्वतंत्रता दिवस था। इस मौके पर दिल्ली से लेकर देश के लगभग हर हिस्से में नेताओं यानी प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्रियों के भाषण में एक मुख्य मुद्दा एआई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर से कहा कि उनकी सरकार एक करोड़ युवाओं को एआई का प्रशिक्षण दिलाएगी। इस बात की खूब वाहवाही हुई है। शिक्षा और परीक्षा में गड़बडियों के खिलाफ 'जेन जी0 के आंदोलन के बाद के इस भाषण को युवाओं के उत्थान की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया जा रहा है। प्रधानमंत्री के अलावा कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने अपने भाषण में कहा कि वे अपने यहां युवाओं के एआई की ट्रेनिंग दिलाएंगे। याद करें 30 साल पहले इसी तरह से युवाओं को कंप्यूटर का प्रशिक्षण देने की शुरुआत हुई थी। उस समय की सरकारें हर भाषण में दावा करती थीं कि करोड़ों युवाओं को कंप्यूटर का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

गली गली में कंप्यूटर प्रशिक्षण के संस्थान खुले थे। यह वो समय था, जब एक के बाद एक भारत की लड़कियां विश्व और ब्राह्मांड सुंदरी चुनी जा रही थीं। तभी महानगरों से लेकर छोटे शहरों और कस्बों तक में ब्यूटी पार्लर्स खुल रहे थे। एक तरफ ब्यूटी पार्लर्स खुल रहे थे और दूसरी ओर कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र खुल रहे थे। इससे दुनिया की ब्यूटी प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों का धंधा चमका तो दूसरी ओर कंप्यूटर बनाने

वाली कंपनियों का कारोबार बढ़ा। दुनिया की बड़ी कंप्यूटर कंपनियों ने भी इसमें काफी निवेश किया और प्रशिक्षण संस्थाओं की मदद की। अनेक सरकारी संस्थाओं को मुफ्त में कंप्यूटर उपलब्ध कराए गए और मुफ्त में कंप्यूटर की ट्रेनिंग भी हुई। तीन दशक के बाद वही इतिहास दोहराता दिख रहा है। अब दुनिया की एआई कंपनियां खूब निवेश कर रही हैं। उनको अपना बाजार बढ़ाना है। प्रधानमंत्री ने एक करोड़ युवाओं को एआई की ट्रेनिंग का वादा किया है तो इस वादे को पूरा करने में एआई कंपनियां भी आगे आएंगी। उनका सरकार के साथ समझौता होगा और वे युवाओं के प्रशिक्षित करेंगी। जो कुछ भी कंप्यूटर के इस्तेमाल का प्रशिक्षण देने के लिए हुआ था वह सब एआई का प्रशिक्षण देने में भी होगा।

फर्क यह होगा कि उस समय कंप्यूटर प्रशिक्षण के संस्थान खुलते थे, जहां युवाओं को जाना होता था। एआई का प्रशिक्षण घर बैठे हो जाएगा। गली गली में इसके संस्थान नहीं खुलेंगे। फिर युवाओं के प्रशिक्षण के बाद हर सरकारी और निजी कार्यालय में एआई से कामकाज होने लगेगा, जैसे अभी कंप्यूटर से होता है। इससे नौकरियां खत्म होंगी या कम होंगी और राजस्व अमेरिका या दुनिया के दूसरे देशों को जाएगा। जैसे अभी कंप्यूटर से लेकर मोबाइल और सोशल मीडिया के इस्तेमाल में होता है। इनका जितना ज्यादा इस्तेमाल भारत में होता है उतना ज्यादा लाभ अमेरिका की कंपनियों को होता है। वही कहानी एआई में दोहराई जाएगी। भारत में जितने यूजर्स बढ़ते जाएंगे अमेरिकी कंपनियों की कमाई भी उतनी ही बढ़ेगी। ऐसा नहीं है कि इसका लाभ भारत को नहीं होगा। निश्चित रूप से कंप्यूटर के इस्तेमाल ने लोगों की कार्य क्षमता बढ़ाई और सरकारी व निजी कंपनियों में कामकाज आसान हुआ। वैसे ही एआई के इस्तेमाल से भी काम की क्षमता और गुणवत्ता में सुधार होगा। परंतु यह भी साबित होगा कि भारत बाजार बने रहने के लिए अभिशप्त है। हम पहले से जिन उपभोक्ता वस्तुओं का बाजार हैं वह अपनी जगह कायम है। जो नई क्रांति हो रही है, नए विचार आ रहे हैं और नई चीजें हो रही हैं उनमें भी भारत कुछ नहीं कर पा रहा है। न सरकारी पहल है और न निजी कंपनियों की ओर से रिसर्च एंड डेवलपमेंट में खर्च किया जा रहा है। सब इस सोच में काम कर रहे हैं कि दुनिया में एआई के टूल्स बन जाएंगे और भारत उनका इस्तेमाल कर लेगा। यह भी सोच नहीं है कि अगर नई चीज नहीं बना सकते हैं तो कम से कम चीन की तरह उसे देख कर अपना उत्पाद ही बना लें। ध्यान रहे अमेरिका में जितनी चीजों का आविष्कार हुआ चाहे बैटरी वाली कार हो, सोशल मीडिया हो या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हो, सबकी देशी नकल चीन ने तैयार कर ली। उसके पास अपना ऑपरेटिंग सिस्टम है, अपना सोशल मीडिया और अपना एआई लार्ज लैंग्वेज मॉड्यूल है। भारत आविष्कार तो नहीं ही कर सका, नकल करके अपना देशी वर्जन भी नहीं तैयार कर सका।

मेष राशिः आज आपके लिए दिन फायदेमंद रहेगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर होगी। कार्यक्षेत्र में आपको बेहतर अवसर मिलने की संभावना है। व्यापारियों को व्यापार से रिलेटेड यात्रा होने के योग हैं। इस यात्रा से आपको अच्छा लाभ मिलेगा। आज आप धन की बचत करने में कामयाब रहेंगे। परिवारजनों के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। आज आपको कार्यों में जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप अपने प्रियजनों और परिवार के बड़ों से सलाह लेकर ही कोई व्यवसाय से संबंधित निर्णय लेंगे। किसी तरह के पैसों के लेन-देन में आज आपको सावधानी बरतने की जरूरत है। आज कहीं से अचानक धन आगमन के योग हैं। आप कोई मकान या जमीन खरीदने का प्लान बना सकते हैं।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपका दिन पॉजिटिव रहेगा। व्यवसाय से जुड़े लोगों को व्यापार में बड़े लाभ की उम्मीद है। नई व्यापारिक योजनाएं बनाने में कामयाब रहेंगे। आपका पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। रिश्तों में मिठास बनी रहेगी। उच्च स्तरीय शिक्षा में आपकी संतान के एडमिशन लेने की खबर मिल सकती है।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज आपकी कोई इच्छा पूरा होने से पूरे दिन मन प्रसन्न रहेगा। आप उच्च शिक्षा के लिए हाई प्रोफाइल संस्थान में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। परिवार में किसी शुभ कार्य पर आप धन खर्च करेंगे। कार्यक्षेत्र में विरोधी आपके कार्यों में रुकावट डालने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन आपके कामकाज पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। भूमि संबंधी कार्यों में आपके लिए लाभ के योग हैं।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका दिन लकी रहने वाला है। आप व्यापार शुरू करने का मन बनाएंगे, जिसमे परिवार वालों का पूरा सहयोग मिलेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी, आज किसी प्रकार की बिजनेस डील हो सकती है। जिससे आप बहुत खुश होंगे। घर के कार्यों में जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आपके लिए आज का दिन बढ़िया रहेगा। कुछ नए संपर्कों से आपको लाभ मिलेगा। आज आपके व्यापार में उन्नति होने के योग बने हुये है। किसी पारिवारिक समस्या का आज समाधान निकालने में सफल होंगे, परिवार के सदस्यों में ताल-मेल बढ़ेगा। व्यापार को बढ़ाने के लिए आज आप कुछ नया करने की कोशिश करेंगे। प्रतियोगी परीक्षार्थियों को सफलता मिलने के योग है।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन प्रसन्नता पूर्वक बीतेगा। आपको अपने कुछ पुराने मित्रों से मेल-जोल बढ़ाने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र क्षेत्र में दी गई जिम्मेदारियों को आज आप बखूबी निभाएंगे। अपने सीनियर्स के साथ कुछ पुरानी यादों को ताजा करेंगे। करियर को लेकर आज अच्छे परिणाम मिलेंगे। कार्य स्थल पर आज आप ऊर्जावान महसूस करेंगे। किसी सहकर्मी के सहयोग से आपके रुके हुए काम पूरे होंगे।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आपको किसी प्रकार के लेन-देन के मामले में स्पष्टता रखनी होगी। संतान के करियर में विशेष उपलब्धि मिलने से आपको खुशी मिलेगी। काफी दिनों से स्टार्टअप शुरू करने का प्लान पूरा करने में कामयाब रहेंगे। आज आप एक अच्छे टीम लीडर साबित होंगे। आज आपको किसी भी बात को लेकर बहुत अधिक सोच-विचार करने से बचना होगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। नौकरी कर रहे लोगों को कोई अच्छी उपलब्धि मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में आप अपनी अच्छी सोच का लाभ उठाएंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर बनेगी। आज आपको किसी बड़ी कंपनी से नौकरी का ऑफर आयेगा। जीवनसाथी के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। कई दिनों से मन में चल रही कोई बात शेयर करेंगे। संतान पक्ष से खुशियां मिलेंगी।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आपको नौकरी से रिलेटेड कोई शुभ समाचार सुनने को मिलेगा। जिसकी आपको प्रतीक्षा थी। जीवनसाथी की ओर से कोई उपहार मिलने से पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप परिवार के साथ कहीं यात्रा पर जाएंगे।

कुम्भ राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। कार्य स्थल पर आपके काम की सराहना होगी। मीडिया और जन संचार से जुड़े लोगों को उनके काम के लिए प्रसिद्धि मिलेगी। अगर आप लेखक है और कोई किताब लिखना चाह रहे हैं तो समय अनुकूल है। सेहत के मामले में आज आप चुस्त-दुरुस्त बने रहेंगे। आपका पारिवारिक जीवन उत्साह से भरा रहेगा।

मीन राशिःमीन राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आप धर्म-कर्म के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। छात्रों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, बस थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है। गवर्नमेंट सेक्टर से जुड़े लोगों को उच्च अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। जिससे वह अपना कोई बड़ा प्रोजेक्ट पूरा करने में सफल होंगे।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए भारत की अंडर-19 टीम घोषित, सहवाग और द्रविड़ के बेटों को मौका

एजेंसी, नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम के भारत दौरे के लिए भारतीय अंडर-19 टीम की घोषणा कर दी गई है। दोनों टीमों के बीच तीन एकदिवसीय और दो बहुदिवसीय मुकाबले खेले जाएंगे। भारतीय टीम में आर्यवीर सहवाग और अन्वय द्रविड़ जैसे चर्चित नामों को जगह मिली है। एकदिवसीय मुकाबलों के लिए लक्ष्य रायचंदानी को कप्तान और यशवर्धन चौहान को उपकप्तान बनाया गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज आर्यवीर सहवाग और अन्वय द्रविड़ भी टीम का हिस्सा हैं।

एकदिवसीय टीम : लक्ष्य रायचंदानी (कप्तान), यशवर्धन चौहान (उपकप्तान), रजत बघेल (विकेटकीपर), आर्यवीर सहवाग, वीके विनीत, कुशाग्र ओझा, अर्जुन राजपूत, मनाल चौहान, अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), वी. यशवीर, रोहित यादव, शाविन विनोद, मोहित उलवा, चिगुरुपति वेंकट और काव्या पटेल।

मल्टी-डे मुकाबलों के लिए भारत की अंडर-19 टीम: यशवर्धन चौहान (कप्तान), लक्ष्य रायचंदानी (उपकप्तान), सागर विर्क, कुशाग्र ओझा, मनाल चौहान, कुश पटेल, मानव कृष्णा (विकेटकीपर), अभिप्राय विश्वास (विकेटकीपर), रोहित यादव, ईशान ओम, अयान अकरम, प्रणव राघवेंद्र, प्रियांशु सिंह, मोहित उलवा, आर्यन यादव।

भारत अंडर-19 बनाम ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 कार्यक्रम

पहला एकदिवसीयः 18 सितंबर, राजकोट — सुबह 9 बजे

दूसरा एकदिवसीयः 21 सितंबर, राजकोट — सुबह 9 बजे

तीसरा एकदिवसीयः 23 सितंबर, राजकोट — सुबह 9 बजे

पहला बहुदिवसीयः 27-30 सितंबर, राजकोट — सुबह 9:30 बजे

दूसरा बहुदिवसीयः 5-8 अक्टूबर, अहमदाबाद बी मैदान — सुबह 9:30 बजे।

सीपीएल : सेंट लूसिया किंग्स ने ट्रिनबागो नाइट राइडर्स को हराया, अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचा

एजेंसी, पोर्ट ऑफ स्पेन

टिम सेफर्ट के शानदार नाबाद शतक और कप्तान रोस्टन चेज की तूफानी गेंदबाजी के दम पर सेंट लूसिया किंग्स ने कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में स्थानीय समयानुसार बुधवार को ट्रिनबागो नाइट राइडर्स को 36 रन से हराकर अंक तालिका में फिर से शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सेंट लूसिया किंग्स ने 20 ओवर में चार विकेट पर 211 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह टूर्नामेंट में उसका दूसरा 200 से अधिक का स्कोर है। सेफर्ट ने 61 गेंदों पर नाबाद 105 रन की शानदार पारी खेली। कामिल पूरन ने 17 गेंदों पर 25 रन बनाकर टीम को तेज शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 34 गेंदों में 60 रन जोड़े। जॉन कैंपबेल ने 17 गेंदों पर 27 रन बनाए और सेफर्ट के साथ 38 गेंदों में 75 रन की साझेदारी की। चारिथ असलंका ने 21 गेंदों पर 33 रन की उपयोगी पारी खेली। सेफर्ट ने अंतिम ओवर में 57 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। 212 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नाइट राइडर्स की टीम को कप्तान रोस्टन चेज ने आठवें ओवर में बड़ा झटका दिया। चेज ने सिर्फ पांच गेंदों के अंदर सुनील नरेन, मैथ्यू ब्रीट्जके और निकोलस पूरन को आउट कर दिया।

मैथ्यू फोर्ड ने इसके बाद कीरोन पोलार्ड की 65 रन की आक्रामक पारी का अंत किया। सेंट लूसिया के गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाए रखा और नाइट राइडर्स को 175 रन पर रोक दिया। इस जीत के साथ सेंट लूसिया किंग्स के आठ अंक हो गए हैं और वह टूर्नामेंट में यह उपलब्धि हासिल करने वाली दूसरी टीम बन गई है। किंग्स का अगला मुकाबला तीन सितंबर को बैसेटेरे में सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स से होगा।

काराबाओ कप के तीसरे दौर में लिवरपूल-टोटेनहम की टक्कर, मैनचेस्टर यूनाइटेड के सामने ब्राइटन

एजेंसी, लंदन

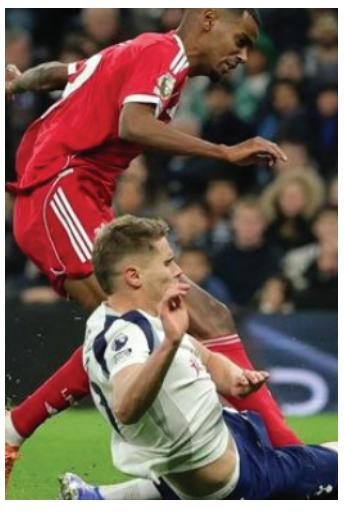

काराबाओ कप 2026-27 के तीसरे दौर में लिवरपूल का सामना टोटेनहम हॉटस्पर से होगा। वहीं मैनचेस्टर यूनाइटेड की भिड़ंत ब्राइटन एंड होव एल्बियन से होगी। तीसरे दौर में प्रीमियर लीग की छह टीमें आपस में भिड़ सकती हैं। यूरोपीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने वाली इंग्लैंड की नौ टीमें—आर्सेनल, मौजूदा चैंपियन मैनचेस्टर सिटी, मैनचेस्टर यूनाइटेड, एस्टन विला, लिवरपूल, ब्राइटन एंड होव एल्बियन, सुंदरलैंड, बोर्नमाउथ और क्रिस्टल पैलेस—तीसरे दौर से प्रतियोगिता में उतरेंगी। मैनचेस्टर सिटी के सामने नॉर्विच सिटी की चुनौती होगी, जबकि पिछले साल की उपविजेता आर्सेनल का सामना इप्सविच टाउन से होगा। एस्टन विला को कोवेंट्री सिटी और सुंदरलैंड को हल सिटी से खेलना है। चेल्सी का मुकाबला लीड्स यूनाइटेड से हो सकता है, लेकिन इसके लिए उसे गुरुवार को ल्यूटन टाउन को हराना होगा। न्यूकैसल यूनाइटेड का सामना मिलवॉल से और एवर्टन का मुकाबला वूल्व्स से होगा। यूईएफए प्रतियोगिताओं के मुकाबलों से टकराव से बचने के लिए तीसरे दौर के मैच सात से 14 सितंबर के सप्ताह में खेले जाएंगे।

एमबाप्पे की हैट्रिक से रियल मैड्रिड की शानदार जीत, सोसिएदाद को 4-1 से रौंदा

एजेंसी, मैड्रिड

किलियन एमबाप्पे की शानदार हैट्रिक के दम पर रियल मैड्रिड ने ला लीगा 2026-27 में बुधवार को रियल सोसिएदाद को 4-1 से करारी शिकस्त दी। यह मुकाबला कोच जोस मोरिन्हो की सैंटियागो बर्नाबेयू में वापसी का पहला घरेलू मैच भी था। मोरिन्हो की टीम ने इससे पहले एस्पान्योल के खिलाफ 2-1 से जीत दर्ज की थी, लेकिन बर्नाबेयू में सोसिएदाद के खिलाफ टीम ने कहीं अधिक प्रभावशाली प्रदर्शन किया। एमबाप्पे ने मैच के पहले हाफ के समाप्त होने से पांच मिनट पहले फेडेरिको वाल्वेर्दे के पास पर शानदार बाएं पैर का शॉट लगाकर रियल को बढ़त दिलाई। हालांकि, सोसिएदाद ने पहले हाफ की समाप्ति से पहले बराबरी कर ली। लुका सुचिच ने डिफ्लेक्शन का फायदा उठाते हुए गेंद को गोलकीपर थिबाउट कोर्टुआ के पार पहुंचा दिया। दूसरे हाफ में जूड बेलिंगहम ने रियल मैड्रिड की जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दो गोल में असिस्ट किया। पहले बेलिंगहम ने एमबाप्पे के साथ शानदार तालमेल बनाते हुए उन्हें गेंद उपलब्ध कराई, जिसे एमबाप्पे ने गोल में बदलकर रियल को फिर बढ़त दिला दी। इसके बाद बेलिंगहम ने शानदार ताकत और जुझारूपन दिखाते हुए गेंद को गोल लाइन के करीब से बचाया और विनिसियस जूनियर के लिए पास दिया। विनिसियस ने कोई गलती नहीं की और रियल की बढ़त 3-1 कर दी। एमबाप्पे ने इसके बाद विनिसियस के पास पर गोलकीपर के ऊपर से शानदार चिप लगाकर अपनी हैट्रिक पूरी की और रियल मैड्रिड की जीत पक्की कर दी। इस जीत के साथ रियल मैड्रिड छह अंकों के साथ ला लीगा तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है। सेविला और रियल बेटिस के भी छह अंक हैं। रियल मैड्रिड का अगला मुकाबला रविवार को मलागा से होगा।

बिजनेस

ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज का आईपीओ लॉन्च, 31 अगस्त तक निवेशक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी, नई दिल्ली

इंटीग्रेटेड इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) कंपनी ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज लिमिटेड का 700 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 31 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद एक सितंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि दो सितंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर तीन सितंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद शाम तीन बजे तक यह आईपीओ 1.13 गुना सब्सक्राइब हो चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 78 रुपये से लेकर 82 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 182 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 182 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,924 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,94,012 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 2,366 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत पांच रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 8,53,65,851 शेयर जारी किए जा रहे हैं। इनमें लगभग 500 करोड़ रुपये के 6,09,75,609 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि लगभग 200 करोड़ रुपये के 2,43,90,242 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। कंपनी अपने इस आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये हासिल होने वाले पैसों में से एक बड़े हिस्से का इस्तेमाल अपने पुराने कर्ज को बोझ को हल्का करने के लिए करेगी। इसके अलावा मौजूदा मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए उपकरणों और मशीनरी की खरीदारी करने, सिविल वर्क और इंटीरियर डेवलप करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, आईपीओ के खर्च की भरपाई करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 49.29 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 34.49 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.79 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा एंप्लॉयीज के लिए इस इश्यू में 1.43 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व रखा गया है। इस इश्यू के लिए मोतीलाल ओसवाल इनवेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत बनी रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 86.61 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 124.59 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 160 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 1,424.63 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 1,946.88 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 2,089.31 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 40.91 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग दस गुना बढ़ कर 418.83 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस वित्त वर्ष के दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ कम होकर 384.16 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

क्विक फॉरेंसिक सॉल्यूशन का पब्लिक इश्यू पहले घंटे ही फुली सब्सक्राइब हुआ

एजेंसी, नई दिल्ली

फॉरेंसिक साइंस, एविडेंस मैनेजमेंट, साइबर और डिजिटल फॉरेंसिक्स, डीएनए फॉरेंसिक्स तथा कानून व प्रवर्तन से जुड़े सॉल्यूशंस मुहैया कराने वाली कंपनी क्विक फॉरेंसिक सॉल्यूशंस का 50.77 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 31 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद एक सितंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि दो सितंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर तीन सितंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद थोड़ी देर मे ही ये इश्यू फुली सब्सक्राइब हो गया। शाम 3:15 बजे तक यह आईपीओ 5.51 गुना सब्सक्राइब हो चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 85 रुपये से लेकर 90 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 3,200 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,88,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 56,41,600 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें लगभग लगभग 42 करोड़ रुपये के 45,61,600 नए शेयर जारी हो रहे हैं, जबकि करीब 10 करोड़ रुपये के 10,80,000 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.39 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.30 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.29 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.02 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए कॉरपोरेट कैपिटल वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। आरके स्टॉक होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। क्विक फॉरेंसिक सॉल्यूशंस की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 2.83 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 8.56 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 13.51 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई।

दीपा ज्वेलर्स ने किया अपने आईपीओ का ऐलान, 1 सितंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा पब्लिक इश्यू

एजेंसी, नई दिल्ली

त्योहारी सीजन की शुरुआत में ही ज्वेलरी सेक्टर की एक और बड़ी कंपनी दीपा ज्वेलर्स लिमिटेड ने अपने आईपीओ की लॉन्चिंग का ऐलान कर दिया है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 168 रुपये से लेकर 177 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 84 शेयर का है। इस इश्यू का साइज 459.72 करोड़ रुपये का है। दीपा ज्वेलर्स का ये इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए एक सितंबर को खुलेगा। निवेशक इसमें तीन सितंबर तक बोली लगा सकेंगे। क्लोजिंग के बाद चार सिंतबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 07 सितंबर को अलॉटेड शेयर डिमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर आठ सितंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम-से-कम एक लॉट यानी 84 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,868 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,93,284 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 1,092 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत दो रुपये फेस वैल्यू वाले 2,59,72,633 शेयर जारी हो रहे हैं। इसमें लगभग 250 करोड़ रुपये के 1,41,24,293 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इसके अलावा करीब 210 करोड़ रुपये के 1,18,48,340 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जाएंगे। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए न्यूनतम 35 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए कम-से-कम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं, बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है।

शुरुआती कारोबार में सर्राफा बाजार में कोई बदलाव नहीं, सपाट स्तर पर सोना और चांदी

एजेंसी, नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुएं आज भी शुरुआती कारोबार में बुधवार के स्तर पर ही कारोबार करती नजर आ रही हैं। भाव में बदलाव नहीं होने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में आज भी 24 कैरेट सोना 1,63,740 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,63,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज शुरुआती कारोबार में बुधवार के भाव पर ही यानी 1,50,090 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,50,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी लगातार चौथे दिन बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,63,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,50,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,63,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,50,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,63,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,50,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,63,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,50,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,63,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,50,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,63,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,50,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

कृति सेनन विज्ञापन बढता देख ब्रांड ने मांगी माफी और अभियान हटाया

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन हाल ही में एक ज्वेलरी ब्रांड के रक्षाबंधन विज्ञापन को लेकर विवादों में घिर गईं। विज्ञापन में कृति ऑफ-व्हाइट रंग के इंडो-वेस्टर्न परिधान में नजर आई थीं। उन्होंने ब्रालेट शैली का ब्लाउज, ड्रेप्ड स्कर्ट और केप पहना था। विज्ञापन सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने उनके पहनावे को रक्षाबंधन जैसे पारंपरिक त्योहार के लिए अनुपयुक्त बताते हुए आलोचना शुरू कर दी। देखते ही देखते यह मामला सोशल मीडिया पर बहस का विषय बन गया और विज्ञापन को लेकर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आने लगीं। विवाद बढ़ने के बाद कृति सेनन ने 25 अगस्त को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक भावुक पोस्ट साझा कर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि किसी भी त्योहार की असली खूबसूरती केवल कपड़ों में नहीं होती, बल्कि उससे जुड़ी भावनाओं, परंपराओं और रिश्तों में होती है। कृति ने रक्षाबंधन को प्रेम और सुरक्षा के बंधन का प्रतीक बताते हुए कहा कि इस त्योहार का महत्व भाई-बहन के रिश्ते की भावनाओं में है। उन्होंने अपने पालतू कुत्तों को भी परिवार का हिस्सा बताया और उनके प्रति सुरक्षा तथा देखभाल की भावना का जिक्र किया।

कृति ने महिलाओं के पहनावे को लेकर समाज की सोच पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आखिर महिलाओं को यह बताना कब बंद किया जाएगा कि उन्हें क्या पहनना चाहिए। उनके मुताबिक समय के साथ भारतीय और एथनिक फैशन में काफी बदलाव आया है, लेकिन आज भी महिलाओं के संस्कृति और परंपराओं के प्रति सम्मान को उनके कपड़ों से जोड़कर देखा जाता है। कृति ने स्पष्ट किया कि किसी महिला की संस्कृति उसके कपड़ों की नेकलाइन में नहीं, बल्कि उसके दिल और विचारों में होती है। उनकी इस टिप्पणी को विज्ञापन को लेकर की जा रही आलोचनाओं के जवाब के तौर पर देखा गया। विवाद के बीच ज्वेलरी ब्रांड ने बुधवार को विज्ञापन को अपने सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म से हटाने का फैसला किया। ब्रांड ने इंस्टाग्राम पर जारी बयान में कहा कि वह भारतीय संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों का सम्मान करता है। ब्रांड के अनुसार, विज्ञापन का उद्देश्य परिवार के साथ पालतू जानवरों को भी उत्सव का हिस्सा दिखाना था। हालांकि, यदि अभियान से समाज के किसी वर्ग की भावनाएं आहत हुई हैं तो ब्रांड ने इसके लिए खेद जताया। मामले में अभिनेत्री कंगना रनौत की टिप्पणी ने भी बहस को और तेज कर दिया। कंगना ने बिना कृति का नाम लिए सोशल मीडिया पर व्यंग्यात्मक टिप्पणी की। उन्होंने सवाल उठाया कि रक्षाबंधन जैसे अवसर पर भाई को राखी बांधते समय इतने विकल्प होने के बावजूद ऐसा पहनावा क्यों चुना गया। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं की अलमारियां कई तरह के कपड़ों से भरी होती हैं, इसलिए ऐसे अवसर पर इस तरह की पोशाक का चयन सवाल खड़े करता है। पूरे विवाद ने एक बार फिर महिलाओं के पहनावे, विज्ञापनों में उनकी प्रस्तुति और आधुनिक फैशन बनाम पारंपरिक सोच को लेकर बहस छेड़ दी है। एक पक्ष जहां त्योहारों के अनुरूप पहनावे को जरूरी मानता है, वहीं दूसरा पक्ष व्यक्तिगत पसंद और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का समर्थन कर रहा है। इस विवाद ने यह सवाल भी सामने रखा है कि किसी महिला के पहनावे के आधार पर उसके विचारों, संस्कृति या मूल्यों का आकलन करना कितना उचित है।

राशि खन्ना के बॉलीवुड में 13 साल पूरे, साउथ सिनेमा से लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म तक जमाया सिक्का

अभिनेत्री राशि खन्ना, जिन्हें हाल ही में फिल्म '120 बहादुर में विशेष भूमिका में देखा गया था, ने भारतीय फिल्म उद्योग में अपने 13 साल पूरे कर लिए हैं। अभिनेत्री ने कहा कि 'मद्रास कैफे से अपने करियर की शुरुआत के बाद से उन्हें ऐसा लगता है कि समय पंख लगाकर उड़ गया क्योंकि उन्होंने हमेशा अपने काम को एक विशेषाधिकार के रूप में देखा है। यह फिल्म 2013 में रिलीज हुई थी और इसी ने राशि खन्ना के लिए चार अलग-अलग फिल्म उद्योगों में काम करने का रास्ता खोला। इसके बाद वह देश की चर्चित फिल्मों और परियोजनाओं का हिस्सा बनीं। अपने सफर को याद करते हुए राशि ने कहा, तेरह साल एक लंबा समय होता है लेकिन यह बहुत तेजी से बीत गया क्योंकि काम करना कभी विशेषाधिकार लगना बंद नहीं हुआ। 'मद्रास कैफे को याद करने पर मुझे एहसास होता है कि मैंने शुरुआत क्यों की थी। इस फिल्म ने मुझे ऐसी कहानियां कहने का अवसर दिया जो मेरे लिए मायने रखती हैं, और मैं उन सभी सहयोगियों की आभारी हूं जिन्होंने इस सफर में मेरा साथ दिया। अपने डेब्यू के बाद से राशि ने हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम सिनेमा में काम करते हुए एक मजबूत पहचान बनाई है। उनकी पीढ़ी के चुनिंदा कलाकारों में से वह एक हैं, जिन्होंने चारों फिल्म उद्योगों में अपनी मौजूदगी कायम रखी है। यह विविधता संयोग नहीं बल्कि उनके सोच-समझकर लिए गए फैसलों का परिणाम है, जिसने उन्हें एक उभरती हुई अभिनेत्री से पैन-इंडिया स्टार तक पहुंचाया। वर्तमान में अभिनेत्री राज और डीके की लोकप्रिय वेब सीरीज 'फर्जी के दूसरे सीजन की शूटिंग कर रही हैं। इसमें वह एक बार फिर आरबीआई अधिकारी मेघा व्यास की भूमिका में नजर आएंगी। इस सीरीज में उनके साथ शाहिद कपूर और विजय सेतुपति भी दिखाई देंगे। राज और डीके द्वारा निर्मित और निर्देशित यह क्राइम थ्रिलर एक ऐसे कलाकार की कहानी है, जो आर्थिक परेशानियों से निकलने के लिए नकली नोट बनाने के रास्ते पर चल पड़ता है। राशि खन्ना जल्द ही तमिल एक्शन थ्रिलर 'धर्मन में सुपरस्टार रजनीकांत के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा वह निर्देशक अनीस बज्मी की अगली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ भी दिखाई देंगी।

'फर्जी 2', रजनीकांत और अक्षय कुमार संग बड़े प्रोजेक्ट्स से मचाएंगी धमाल

भारतीय सिनेमा में अपनी बहुमुखी प्रतिभा और शानदार अभिनय का लोहा मनवा चुकीं खूबसूरत अभिनेत्री राशि खन्ना ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने 13 साल सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। साल 2013 में शूजित सरकार की थ्रिलर फिल्म 'मद्रास कैफे' से बॉलीवुड में अपने सफर का आगाज करने वाली राशि ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। आज वह देश के चुनिंदा कलाकारों में शामिल हैं, जिन्होंने हिंदी के साथ-साथ साउथ सिनेमा के तीनों प्रमुख उद्योगों—तेलुगु, तमिल और मलयालम में अपनी मजबूत पकड़ बनाई है। अपने इस 13 साल के लंबे सफर पर बात करते हुए राशि खन्ना ने कहा कि उन्हें लगता है जैसे वक्त पंख लगाकर उड़ गया हो। उनका मानना है कि अभिनय को उन्होंने हमेशा एक विशेषाधिकार की तरह देखा है, जिससे काम कभी बोझ नहीं लगा। उन्होंने अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा कि 'मद्रास कैफे' ने उन्हें अपनी पसंद की कहानियां चुनने की आजादी दी, जिसके लिए वह अपने सभी निर्देशकों और सह-कलाकारों की दिल से आभारी हैं। हाल ही में देशभक्ति से लबरेज फिल्म '120 बहादुर' में एक अहम भूमिका में नजर आईं राशि खन्ना की झोली में इस वक्त कई बड़े और बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट्स मौजूद हैं। वह बहुचर्चित वेब सीरीज 'फर्जी' के दूसरे सीजन (Farzi Season 2) की शूटिंग में व्यस्त हैं, जहां वह एक बार फिर शाहिद कपूर और विजय सेतुपति के साथ आरबीआई अफसर 'मेघा व्यास' के दमदार किरदार में वापसी करेंगी। इसके अलावा राशि खन्ना का पैन-इंडिया स्टारडम आने वाले दिनों में और ऊंचाइयों पर पहुंचने वाला है। वह जल्द ही तमिल एक्शन थ्रिलर फिल्म 'धर्मन' में सुपरस्टार रजनीकांत के साथ मुख्य भूमिका में स्क्रीन शेयर करती दिखेंगी। वहीं बॉलीवुड में भी वह निर्देशक अनीस बज्मी की अगली बड़ी कॉमेडी-ड्रामा फिल्म में अक्षय कुमार के साथ जोड़ी बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। बहुमुखी किरदारों के चयन ने राशि को दर्शकों का चहेता बना दिया है।

गोविंदा ने झूठ फैलाने वालों को दी चेतावनी

अभिनेता और पूर्व सांसद गोविंदा ने अपनी निजी जिंदगी और शादी से जुड़ी अफवाहों पर कड़ा रुख अपनाते हुए एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया है। इस नोटिस के माध्यम से उन्होंने नेटिजन्स, मीडिया संस्थानों, डिजिटल प्लेटफॉर्म और कंटेंट क्रिएटर्स को चेतावनी दी है कि वे उनके या उनके परिवार से संबंधित किसी भी गलत, मानहानि करने वाली, दुर्भावनापूर्ण, मनगढ़ंत या बिना पुष्टि वाली सामग्री को प्रकाशित या साझा न करें। यह कदम उनकी पत्नी सुनीता आहूजा की राखी सावंत के साथ हुई एक बातचीत के वायरल होने के बाद आया है, जिसमें सुनीता ने कथित तौर पर दावा किया था कि गोविंदा अभिनेत्री रानी स्वर्णकार से शादी करना चाहते थे। गोविंदा द्वारा जारी नोटिस में विशेष रूप से फोटो, वीडियो, ऑडियो, मॉर्फ्ड इमेज, डीपफेक और एआई का उपयोग करके बनाए गए सिंथेटिक कंटेंट का उल्लेख है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि उन्होंने किसी को भी अपनी आवाज, छवि, पहचान या निजी/पारिवारिक जीवन से जुड़ी सामग्री बनाने या उसमें बदलाव करने की अनुमति नहीं दी है।

गांधारी का ट्रेलर रिलीज, लापता बेटी की तलाश में चुनौतियों से जूझती नजर आईं तापसी पन्नू

नेटफ्लिक्स ने कुछ दिन पहले तापसी पन्नू की फिल्म गांधारी का ऐलान किया था। देवाशीष मखीजा द्वारा निर्देशित और कनिका ढिल्लों द्वारा लिखित व निर्मित, यह एक हाई-वोल्टेज एक्शन क्राइम-थ्रिलर है, जिसका ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म को कथा पिक्चर्स के बैनर तले प्रस्तुत किया गया है। इसमें इश्वाक सिंह, स्वास्तिका मुखर्जी, छाया कदम, जतिन सरना और मीता वशिष्ठ जैसे कई कलाकार मौजूद हैं। कहानी एक मां और उसकी लापता बेटी के इर्द-गिर्द घूमती भावनात्मक संघर्ष को दर्शाती है।

ट्रेलर तापसी के नेत्रहीन किरदार से शुरू होता है, जिसकी जिंदगी का सबसे बड़ा सहारा उसकी बेटी है। हालात तब बिगड़ते हैं, जब ट्रेन से उसकी नन्ही बेटी का अपहरण कर लिया जाता है। यहीं से एक मां का संघर्ष शुरू होता है, जो अपनी लाचारी को अपनी सबसे बड़ी ताकत बनाकर बेटी को ढूंढने निकल पड़ती है। फिल्म में मौजूद रहस्यमयी विलेन और डार्क खुलासे थ्रिल का तड़का लगाते हैं।

गांधारी 3 सितंबर, 2026 को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। वह अपने पति के साथ मिलकर अपनी बेटी को ढूंढती है. जब उसे उसकी बेटी नहीं मिलती है तब उसे अपनी बेटी को ढूंढने के लिए ट्रेनिंग लेनी पड़ती है, जो दूसरी लड़कियों के साथ किडनैप हुई लगती है. इसके बाद बानी अपनी पैरेलल इन्वेस्टिगेशन शुरू करने के लिए मामले को अपने हाथ में लेती है. इस दौरान वह दुश्मनों के साथ लोहा लेती हुई दिखती है. गांधारी तापसी के फिजिकली डिमांडिंग रोल्स में से एक है, जिसमें एक्शन के साथ इमोशनल कहानी भी है. इश्वाक सिंह गोकुल का रोल कर रहे हैं, जो अपनी बेटी के गायब होने से जूझ रहे एक पिता हैं, जबकि जतिन सरना कबीर का रोल कर रहे हैं, जो केस की जांच करने वाला ऑफिसर है. स्वास्तिका मुखर्जी, मीता वशिष्ठ और छाया कदम भी कास्ट का हिस्सा हैं. इस फिल्म में तापसी, कनिका के साथ फिर आई हसीन दिलरुबा के बाद फिर से काम कर रही हैं. फिल्म का हिस्सा बनने के बारे में तापसी ने एक बयान में कहा, इस रोल के लिए फिजिकली बहुत मेहनत करनी पड़ी, लेकिन उनकी हिम्मत, पक्का इरादा और पक्की हिम्मत ने मुझे सच में अपनी ओर खींचा. कनिका और नेटफ्लिक्स के साथ एक बार फिर मिलना बहुत खास था – इतने सालों में, हमने भरोसे और मुश्किल, दिलचस्प महिलाओं की कहानियां कहने के प्यार पर आधारित एक क्रिएटिव पार्टनरशिप बनाई है. देवाशीष मखीजा के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म को कनिका ढिल्लन ने लिखा और प्रोड्यूस किया है. गांधारी, तापसी के साथ कनिका की चौथी फिल्म है, इससे पहले वे मनमर्जियां (2018), हसीन दिलरुबा (2021), और फिर आई हसीन दिलरुबा (2024) में काम कर चुकी हैं. यह फिल्म 3 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी.

प्रतीक गांधी की फिल्म घमासान का टीजर जारी, खलनायक बनकर अरशद वारसी ने चौंकाया

जीजी5 ने अपनी ओरिजनल फिल्म घमासान का ऐलान किया है, जिसमें प्रतीक गांधी मुख्य किरदार में हैं। तिग्मांशु धूलिया द्वारा निर्देशित इस क्राइम एक्शन-ड्रामा में अरशद वारसी खलनायक महाराज के किरदार में नजर आए हैं। फिल्म का निर्माण जियो स्टूडियो और गोल्डन रेशियो फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। इसकी कहानी मध्य भारत के बीहड़ों की पृष्ठभूमि पर आधारित एक ईमानदार आईपीएस अधिकारी (प्रतीक) और खूंखार डाकू सरगना (अरशद) के बीच आपसी टकराव पर आधारित है। इसका टीजर राजनीति, जातिगत समीकरण, अपराध, डर और सत्ता के दबदबे की झलक प्रस्तुत करता है। इसमें कानून और अपराध के बीच की सीधी टक्कर दिखाई गई है। निर्माताओं ने इसे जारी करते हुए कैप्शन दिया, जब कानून डर से शासित भूमि में प्रवेश करता है, तो केवल एक ही पक्ष बचता है। घमासान। जल्द ही जी5 पर आ रही है। फिल्म में राजपाल यादव और इशिता दत्ता भी अहम भूमिकाओं में हैं। रिलीज तारीख का ऐलान होना बाकी है।

रोज माउथवॉश करते हैं तो पहले जान लें ये जरूरी बातें, वर्ना फायदे की जगह हो सकता है नुकसान

सुबह उठते ही ब्रश करना और फिर मुंह की ताजगी के लिए माउथवॉश का इस्तेमाल करना अब कई लोगों की रोज की आदत बन चुका है। कुछ लोग इसे सांसों की बदबू दूर रखने के लिए इस्तेमाल करते हैं, तो कुछ को लगता है कि माउथवॉश करने से दांत और मसूड़े ज्यादा साफ रहेंगे। हालांकि माउथवॉश मुंह की सफाई में मदद जरूर करता है, मगर यह ब्रश और दांतों के बीच की सफाई नहीं कर सकता।

साथ ही, हर दिन इस्तेमाल करने से पहले यह जानना भी जरूरी है कि आप किस तरह का माउथवॉश इस्तेमाल कर रहे हैं और उसका सही तरीका क्या है। माउथवॉश से कुल्ला करने के बाद मुंह ताजगी भरा जरूर लगता है, लेकिन इससे दांतों पर जमी गंदगी पूरी तरह नहीं निकलती। ब्रश दांतों की सतह पर जमा गंदगी और प्लाक को हटाने में मदद करता है। वहीं दांतों के बीच फंसे खाने को साफ करने के लिए के लिए फ्लॉस या इंटरडेंटल ब्रश की जरूरत पड़ती है। इसलिए माउथवॉश को ब्रश का विकल्प मानना गलत है। इसे जरूरत के मुताबिक रोज की ओरल हाइजीन रूटीन में शामिल किया जा सकता है।

बाजार में कई तरह के माउथवॉश मिलते हैं। किसी का इस्तेमाल बदबू के लिए किया जाता है, तो किसी को मसूड़ों या दूसरी दांतों की परेशानी को ध्यान में रखकर बनाया जाता है। इसलिए सिर्फ अच्छा स्वाद या बड़ी कंपनी देखकर माउथवॉश खरीदना सही नहीं है। अगर आपको दांत या मसूड़ों से जुड़ी कोई परेशानी है तो डेंटिस्ट से पूछकर माउथवॉश लेना बेहतर रहेगा। कुछ माउथवॉश इस्तेमाल करने पर मुंह में तेज जलन होती है। कई लोगों को लगता है कि जलन ज्यादा है तो माउथवॉश ज्यादा असरदार होगा। ऐसा जरूरी नहीं है। जलन कुछ खास चीजों की वजह से हो सकती है, जैसे अल्कोहल या उसमें डाला गया फ्लेवर। अगर हर बार इस्तेमाल के बाद ज्यादा जलन या परेशानी हो रही है, तो उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। माउथवॉश खरीदने से पहले उसकी बोतल पर दी गई जानकारी जरूर पढ़ें। उसमें कौन-कौन सी चीजें डाली गई हैं, यह देखना जरूरी है। खासकर अगर आपका मुंह जल्दी सूखता है या किसी चीज से जलन होती है तो ऐसा प्रोडक्ट चुनने से बचें, जिससे आपकी परेशानी बढ़ सकती है। हर व्यक्ति के लिए एक ही माउथवॉश सही हो, यह जरूरी नहीं है। अगर माउथवॉश करने के बाद सांसों की बदबू वापस बनी रहती है तो इसकी वजह कुछ और हो सकती है। दांतों और मसूड़ों की बीमारी भी इसकी वजह बन सकती है। ऐसे में बार-बार माउथवॉश करने के बजाय डेंटिस्ट से जांच कराना ज्यादा बेहतर रहेगा।

रवि तेजा की इरुमुड़ी का बॉक्स ऑफिस पर धमाका, 5 दिन में 100 करोड़ पार

दक्षिण भारतीय अभिनेता रवि तेजा की नई फिल्म 'इरुमुड़ी ने प्रदर्शन के महज पांच दिनों में ही दुनियाभर में 100 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर नया रिकॉर्ड कायम किया है। फिल्म की कुल वैश्विक कमाई 103 .55 करोड़ रुपये पहुंच गई है। इसी के साथ यह रवि तेजा के करियर की सबसे अधिक कमाई करने वाली एकल फिल्म बन गई है। शिवा निर्वाण के निर्देशन में बनी 'इरुमुड़ी में पिता और बेटी के बीच के गहरे भावनात्मक रिश्ते को धार्मिक पृष्ठभूमि के साथ प्रस्तुत किया गया है। फिल्म को दर्शकों की ओर से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। शानदार शुरुआती सप्ताहांत के बाद भी फिल्म की कमाई सप्ताह के बाकी दिनों में मजबूत बनी हुई है। फिल्म ने रवि तेजा की पिछली एकल सफल फिल्म 'धमाका को भी पीछे छोड़ दिया है। 'धमाका ने कुल 82 .81 करोड़ रुपये की कमाई की थी। 'इरुमुड़ी ने पांचवें ही दिन इस आंकड़े को काफी पीछे छोड़ते हुए अभिनेता की सबसे बड़ी एकल व्यावसायिक सफलता का दर्जा हासिल कर लिया। 25 अगस्त को फिल्म ने भारत में 12 .20 करोड़ रुपये की शुद्ध कमाई की। इसकी सबसे बड़ी हिस्सेदारी तेलुगु भाषा के प्रदर्शन से आई, जहां फिल्म के 3,184 प्रदर्शन हुए। पांचवें दिन भी दर्शकों की मजबूत मौजूदगी ने फिल्म की कमाई को गति बनाए रखने में मदद की। भारत के अलावा विदेशों में भी 'इरुमुड़ी का प्रदर्शन बेहतर रहा है। विदेशी बाजार से हुई कमाई ने फिल्म के वैश्विक कारोबार को 103 .55 करोड़ रुपये तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। पांच दिनों में ही 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करना फिल्म के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। लगातार मजबूत कमाई के साथ 'इरुमुड़ी ने इस वर्ष की प्रमुख तेलुगु फिल्मों में भी अपनी जगह बना ली है। फिल्म की कहानी, रवि तेजा का अभिनय और पिता-बेटी के रिश्ते पर केंद्रित भावनात्मक प्रस्तुति दर्शकों को आकर्षित कर रही है। आने वाले दिनों में फिल्म की कमाई किस स्तर तक पहुंचती है, इस पर अब सभी की नजरें टिकी हैं।

BRIFF NEWS

2 killed at NHAI construction sites in J&K

Jammu, Agency: Two workers, aged 25 and 45, died in two separate accidents at NHAI construction sites in Samba and Jammu districts in J&K on Tuesday.

"Gotam Sahu, from Bihar, was engaged in laying the pier of a bridge on the Delhi-Amritsar-Katra project in Samba's Jakh, when a concrete structure collapsed suddenly, killing him on the spot. Another worker, also from Bihar, suffered injuries," said NHAI project director Rajiv Kumar.

Officials said Sahu's wife has been given an immediate relief of Rs 5 lakh from the contractor and Rs 5 lakh from the state administration. Another Rs 5 lakh will be credited to her account, they added. In a similar incident, Budhi Singh (45), from Ramban, died after falling from a height at his workplace near Sidhra Tawi Bridge construction site in Jammu on Tuesday, officials said.

"He was rushed to Govt Medical College and Hospital (GMCH), Jammu, where doctors declared him dead," an official said.

Hydel project shutdown triggers power crisis in J&K

Srinagar, Agency: Jammu & Kashmir is grappling with power shortages and unscheduled outages after key hydroelectric projects, including the 450MW Baglihar stage I and the Salal project, were shut for silt-flushing operations. Baglihar stage-I in Ramban district has remained non-operational for a week, with accumulated silt at its gates delaying restoration work.

Officials said desilting work at Baglihar stages I and II and the Salal project began on Aug 18. While Baglihar stage II resumed generation on Aug 22, stage I is yet to restart. Salal is expected to resume operations on Tuesday.

The prolonged shutdown has widened the region's power deficit. Jammu & Kashmir's peak electricity demand stands at about 2,500MW in summer and 3,000MW in winter. With both Baglihar units largely unavailable for most of the past week, Jammu & Kashmir faced a shortfall of nearly 900MW. Built on the Chenab river, Baglihar stages I and II are among Jammu & Kashmir's key power sources. Following the disruption, the power department is exploring alternative arrangements to bridge the supply gap. The crisis comes amid criticism of the Omar Abdullah-led govt over rising electricity tariffs. From Sept 1, power consumers in Jammu & Kashmir will face a 6.83% tariff hike.

'Secure, predictable sea lanes indispensable': India urges UN to safeguard key maritime routes

New Delhi, Agency: India has called on the international community to work collectively to safeguard critical sea lanes and maritime infrastructure, saying secure and predictable shipping routes are essential to ensure the uninterrupted movement of food, fertilisers, fuel and other vital commodities amid conflicts and growing disruptions to global supply chains.

Speaking at a UN Security Council high-level open debate on Tuesday on the theme 'Food Under Fire: The Security Council's Role in Mitigating Global and Local Food Crises', India's Permanent Representative to the UN, Ambassador Harish Parvathaneni, said regional conflicts were increasingly producing consequences far beyond the immediate theatres of hostilities.

"Secure and predictable maritime trade routes are indispensable for the uninterrupted movement of food, fertilisers, fuel and other essential commodities," Parvathaneni said, underscoring the need to preserve the safety and freedom of navigation for commercial shipping in accordance with international law.

The call comes as conflicts and attacks on key maritime routes continue to threaten global food and energy supplies. UN Secretary-General Antonio Guterres told the Council that the Strait of Hormuz carries around a fifth of global oil supplies and a third of global fertiliser trade. "Restrictions and closures have driven up commodity prices, and made availability plummet. And attacks on commercial vessels in the Red Sea are further threatening supply chains for food and other commodities," Guterres said.

Parvathaneni warned that disruptions to commercial shipping during conflicts could have cascading effects well beyond the affected region, with food-importing developing countries and humanitarian operations bearing a disproportionate burden. "The international community must therefore work collectively to safeguard critical sea lanes and maritime infrastructure, while ensuring that legitimate commercial trade and humanitarian shipments are able to proceed without undue impediment," he said.

India said the immediate priority for the Security Council should be to reduce the humanitarian consequences of conflicts by facilitating safe, rapid and unimpeded humanitarian access, supporting de-confliction arrangements where appropriate and ensuring that Council measures, including sanctions regimes, do not inadvertently obstruct humanitarian assistance or legitimate food and agricultural trade.

Parvathaneni also called for timely assessments of disruptions to critical supply chains covering food, fertiliser, fuel and humanitarian logistics, drawing on the expertise of the Food and Agriculture Organisation, the World Food Programme and other relevant agencies.

Small island states can serve as labs for innovation and tech: Maldives prez

New Delhi, Agency: Maldives President Mohamed Muizzu called upon Small Island Developing States (SIDS) to pivot away from being framed solely by climate vulnerability and isolation, while also urging global leaders and private sector partners to view island economies as dynamic "laboratories for innovation".Delivering a keynote statement at the opening ceremony of the Small Island Developing States Global Business Network (SIDS GBN) Forum 2026, Muizzu outlined an economic modernization plan aimed at turning geographic constraints into digital and strategic advantages.

With the global dialogue surrounding small island nations focused on their acute climate risk, geographical isolation, and structural economic constraints, Muizzu stressed that vulnerability represents only half the story.

"For too long, the story of Small Island Developing States has been told primarily through the lens of vulnerability. The other part is our determination. Our scale can become an advantage. SIDS can serve as laboratories for innovation and incubators for ideas, technologies, and solutions," he said.

'Separatist' OCI card holder in SC seeks nod to visit Kashmir

09

NEW DELHI: The Supreme Court on Tuesday sought the Union govt's response to US-based octogenarian - Khalid Jahangir Qazi - an OCI card holder accused by India of peddling pro-Pakistan propaganda and being sympathetic to Kashmiri separatists, who is seeking permission to visit Kashmir to attend wedding functions in his sister's family. Appearing for Qazi, whose OCI card cancellation was annulled by a single judge bench of Delhi high court and appeals against which is pending before a division bench, senior advocate Parag Tripathi told a bench led by CJI Surya Kant that the 82-year-old medical practitioner had visited India in the past and given his age and that of his relatives, this may be the last time he would be able to visit Kashmir and be with family members.

"He is ready to give an undertaking that during his visit, he would not indulge in any political activity," Tripathi said. This persuaded the bench to issue notice to the Centre and sought its response by Sep 7, the next date of hearing. The Delhi high court had earlier rejected his plea to visit India.

Qazi stands accused of 'pro-Pakistan propaganda' by the Indian Consulate in New York. Indian govt had cancelled his OCI card in May 2023 because of activities which are "inimical to sovereignty and security of India", and blacklisted him under the Foreigners Act. In Nov 2024, a single judge bench of the Delhi HC had quashed the cancellation of his OCI card saying that Qazi was not given a fair hearing prior to the cancellation.

Was PoK's Skardu airbase next after Sargodha? Ex-CDS Chauhan reveals why India switched targets

New Delhi, Agency: Did India plan to strike Pakistan-occupied Kashmir's Skardu airbase after targeting Sargodha? Former chief of defence staff General Anil Chauhan has revealed that Indian forces had cleared Skardu in Gilgit-Baltistan as a possible target during Operation Sindoor but had to change plans because of "bad weather".

Chauhan, who was heading the military when Operation Sindoor was carried out, made the remarks while speaking at the Vivekananda International Foundation on Operation Sindoor and its aftermath.

Recalling the counter-terror operation, former CDS Chauhan said, "Once the Pakistanis had picked up the phone and said they wanted to talk at about 10 AM. The Air Chief asked me whether he should strike Sargodha, I said, Go ahead... I said, could you please identify two more targets, so one of the targets he identified was Skardu." "We gave a yes, but after some time, the weather was bad over it and they had to change over to Bholari," he added.

Chauhan also clarified that Indian forces "did not target" Pakistan's Kirana Hills, an area reportedly linked to a nuclear facility.

He backed Air Marshal AK Bharti, who was the then Director General of Air Operations (DGAO) of the Air Force. Bharti had said on May 12 last year, "We have not hit Kirana hills, whatever is there."

Bharti was responding to questions about reports and social media claims that Indian forces had targeted Kirana Hills during Operation Sindoor.

Chauhan said, "There was a small episode about what Air Marshal Bharti was asked, the Kirana Hills episode. I think I'll clarify this. On occasions, it's been asked whether Kirana Hills were hit; that is where their (Pakistan's) nuclear facilities are."

He said Bharti had "rightly clarified that we did not target Kirana Hills". Chauhan explained that Indian forces had sent several loitering munitions towards Sargodha before the strikes. Kirana Hills is around 10 km north of Sargodha.

"I can, maybe give a kind of an explanation... Before those strikes, we had sent in a lot of loitering munitions to Sargodha, and Kirana Hills is about 10 km north of Sargodha. So the loitering munition is looking for radars which are in and around Sargodha, and it has a time span, which means it will loiter for about two hours, and once it does not find a target, it comes down and hits somewhere," the former CDS said.

NMC orders monthly reporting of student suicides by medical colleges

New Delhi, Agency: The National Medical Commission (NMC) has directed medical colleges to maintain updated records of student suicides and unnatural deaths and submit a certified Action Taken Report (ATR) every month, following Supreme Court directions on student mental health and safety. It has also asked institutions to fill vacant faculty and key administrative posts within four months. The commission has marked the compliance exercise "MOST URGENT" and asked institutions to accord it top priority.

The move comes amid a rise in student suicides. An IHBAS presentation by Dr Om Prakash, Professor of Psychiatry and Head, Department of Geriatric Mental Health, citing NCRB data, said 14,488 student deaths by suicide were recorded in 2024, up 4.3% from 13,892 in 2023. The number rose from 8,068 in 2014 to 14,488 in 2024, an increase of around 80% over the decade.

'They had gone towards Sargodha': Ex-Navy officer backs former CDS Anil Chauhan on Kirana Hills remarks

New Delhi, Agency: Former director of naval operations and intelligence commodore Ranjit Rai (Retd.) on Tuesday said former Chief of Defence Staff (CDS) General Anil Chauhan's remarks on Pakistan's Kirana Hills indicated that Operation Sindoor was a "total success", particularly highlighting India's use of loitering munitions during the 87-hour military operation.

Speaking to news agency Media, Rai was reacting to Chauhan's remarks that an Indian loitering munition deployed to search for radars in and around Sargodha in Pakistan "must have" hit an area in the Kirana Hills after failing to locate its intended target. "He made it absolutely clear that it was a total success (Operation Sindoor)," Rai told Media. He said Chauhan had made it clear that during the 87-hour operation, loitering munitions were deployed and operated around Sargodha.

Rai also pointed to the significance of Kirana Hills, located around 10 kilometres north of Sargodha.

"He disclosed that during the operation, loitering munitions, which are drones, were used. They were loitering 10 miles from Sargodha; they had gone towards Sargodha, but 10 miles from Sargodha is the Khirana Hills. Pakistan has carried out some critical nuclear tests at the Khirana Hills. Underground in Kirana, they have got some nuclear facility. I mean, this is a revolution, telling the world about Operation Sindoor," he said.

Chauhan, speaking at the Vivekananda Centre in New Delhi on Tuesday, said India had sent loitering munitions towards Sargodha to search for radars in and around the area. He explained that the weapons had a flight time of around two hours and, if they failed to locate a target during that period, would eventually come down and hit an area.

"I think I'll clarify this...at occasions, it's been asked whether Kirana Hills were hit or not, which is where their (Pakistan's) nuclear facilities are... Before those strikes, we had sent in a lot of loitering munitions at Sargodha and Kirana Hills is about 10 kilometres north of Sargodha. So the loitering ammunition is looking for radars which are in and around Sargodha, and it has a lifetime, which means it will loiter for about two hours and once it does not find a target, it comes down and hits somewhere," Chauhan said.

"It must have come and hit one of those hills. So that could be one of the reasons as to what people asked, because Pakistani media also showed some kind of images in which there was smoke coming out from Kirana Hills," he added.

Chauhan's remarks clarified that Kirana Hills was not deliberately selected as a target during Operation Sindoor. Rather, according to his account, a loitering munition searching for radars around Sargodha may have struck one of the hills after failing to find its intended target.